हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार, 1 जून 2025

तापमान
अधिकतम 37 .0 डिग्री
न्यूनतम 26 .0 डिग्री

12 हस्ताक्षर अभियान में लोगों ने दिखाया उत्साह, निभाई सामाजिक जिम्मेदारी

10 ऑपरेशन शील्ड : तीन स्थानों पर हुआ नागरिक सुरक्षा अभ्यास

मुठभेड़ के बाद पकड़े बदमाश, एक के पैर में लगी गोली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना/गन्नौर

गढ़ी झंझारा रोड, गन्नौर में शुक्रवार रात दो युवकों को गोली मारकर भागे आरोपियों की शनिवार तड़के गोहाना के गांव गंगाना के पास पुलिस से मुठभेड़ हो गई। आरोपियों ने पुलिस पर फायर किए तो बचाव में पुलिस ने भी गोलियां चला दी। मुठभेड़ में एक आरोपी के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया, जबकि दूसरे आरोपी को पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया। घायल को रोहतक पीजीआई में उपचार दिया जा रहा है। पुलिस ने अलग-अलग मुकदमे दर्ज कर लिए हैं। गोली लगने से बदमाश गांव गंगाना और हाल में गन्नौर के गांधी नगर में वाला रोहित घायल हो गया। पुलिस ने दूसरे बदमाश मूल रूप से गांव निजामपुर और हाल में गांधी नगर में ही रहने वाले अंकुश को गिरफ्तार किया। रोहित पर पहले कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसे भगत फूल सिंह राजकीय महिला मेडिकल कालेज के अस्पताल से पीजीआई रोहतक रेफर किया गया। बरोदा थाना में केस दर्ज किया गया।

शुक्रवार रात को गन्नौर में बाइक खड़ी करने के विवाद में रोहित व अंकुश ने दो युवकों पर फायरिंग की थी। शनिवार सुबह एयूएजी यूनिट सेक्टर सात सोनीपत के निरीक्षक अजय कुमार को सूचना मिली कि गन्नौर के क्षेत्र में फायरिंग करने वाले बदमाश कुछ देर में गांव गंगाना से गोहाना की तरफ आएंगे। उन्होंने सीआईए व सोनीपत और क्राइम यूनिट गन्नौर की टीम को सूचना दी गई। तीनों टीमों शनिवार सुबह बजे गंगाना से बुटाना रोड पर पहुंची तो बाइक पर दो युवक आते नजर आए। वे पुलिस को देखकर बाइक पर गांव बुटाना की तरफ भागने लगे। पुलिस ने आवाज देकर उनको रुकने को कहा। एक बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग की और बुटाना-गंगाना के बीच में जींद-गोहाना हाईवे के सर्विस रोड की तरफ भागे। पुलिस ने उनका पीछा किया तो दोबारा फायरिंग की। बदमाशों ने तीन-चार फायर किए। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की तो रोहित उर्फ गंजू के पैर में गोली लगी। दूसरे बदमाश अंकुश को भी गिरफ्तार किया।

बाइक की टक्कर लगने की रंजिश के चलते चलाई गोली

गन्नौर। गढ़ी झांझारा रोड स्थित कश्यप धर्मशाला के पास शुक्रवार रात दो युवकों नकुल व राजीव पर हुई फायरिंग के मामले में थाना गन्नौर पुलिस ने तीन आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज किया है। हमले में घायल हुए गांधी नगर, गढ़ी झंझारा रोड निवासी राजीव ने थाना गन्नौर में शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायत में राजीव ने बताया कि शुक्रवार की सुबह उसकी निजामपुर हाल गांधी नगर गन्नौर के रहने वाले अंकुश के साथ बाइक पर टक्कर हो गई थी। शुक्रवार की शाम वह 27 फुटा रोड पर डेयरी से सामान लेने गया था। इस दौरान उसका दोस्त गन्नौर गांव निवासी नुकुल भी अपनी अलग बाइक पर उसके साथ था। जब वे अपनी-अपनी बाइक पर वापिस लौट रहे थे तो रास्ते में अंकुश, उसका भाई सुमित व गंगाना हाल गांधी नगर के रहने वाले रोहित बाइक पर वहां पहुंचे और उन्हें आवाज लगा कर उन पर फायरिंग कर दी। इस हमले में उसे व उसके साथी नुकुल को गोली लग गई, जिससे वह घायल हो गए। राजीव का आरोप है कि बाइक की टक्कर लगने की रंजिश को रख अंकुश ने अपने भाई व दोस्त के साथ उन पर जानलेवा हमला किया। पुलिस ने शिकायत पर अंकुश, रोहित व सुमित के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

देर रात पुलिस आयुक्त भी पहुंची घटनास्थल

गोली चलने की सूचना मिलने के बाद पुलिस आयुक्त ममता सिंह भी देर रात घटना स्थल पर पहुंची और मौके पर मौजूद एसीपी गन्नौर व गन्नौर थाना प्रभारी ये घटना की जानकारी ली। उन्होंने आरोपितों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए।

दोनों की हालत खतरे से बाहर

थाना प्रभारी जसपाल सिंह ने बताया कि गोली लगने से घायल हुए राजीव व नुकुल की हालत खतरे से बाहर है। पुलिस ने राजीव की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है। शनिवार देर रात गंगाना गांव में हुई मुठभेड़ में एक आरोपित रोहित उर्फ गंजू पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया, जबकि दूसरा आरोपित अंकुश को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया।

घर के सामने गली में खड़ी कार का शीशा तोड़कर लगाई आग

- बाइक सवार दो युवकों पर वारदात को अंजाम देने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सेक्टर-27 शहर थाना क्षेत्र में घर के सामने गली में खड़ी कार का शीशा तोड़कर आग लगाने का मामला सामने आया है। क्षेत्र में लगे सीसीटीवी की जांच की तो बाइक सवार दो संदिग्ध युवक दिखाई दिए। कार मालिक ने मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस क्षेत्र में लगे सीसीटीवी के जरिए युवकों की तलाश कर रही है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। सिक्का कॉलोनी निवासी मोहन लाल ने बताया कि हर रोज की तरह अपनी गाड़ी को घर के सामने गली में खड़ी कर दिया। उसके बाद घर पर जाकर सो गया। रात को उसके पड़ोसी ने सूचना दी। उसकी कार में किसी ने आग लगा दी। अपने स्तर पर गाड़ी में लगी आग को बुझा दिया। सुबह उठकर पड़ोसी के घर पर लगे सीसीटीवी की जांच की। जिसमें बाइक सवार दो युवक मुंह पर कपड़ा बांधकर मुंह छुपा रखा था। दोनों लड़कों ने गाड़ी के शीशे तोड़कर गाड़ी में आग लगा दी। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर बाइक सवार दो अज्ञात युवकों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

खबर संक्षेप

छात्राओं ने बाक्सिंग में जीता स्वर्ण पदक

गन्नौर। रौनक पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने जूनियर जिला बाक्सिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किए। यह प्रतियोगिता 28 और 29 जून को गन्नौर में आयोजित की गई थी। कक्षा दसवीं की हितैषी ने 60 किलो भार वर्ग में और रिया ने 48 किलो भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया। दोनों प्रतिभाशाली छात्राओं का चयन राज्य बाक्सिंग चैंपियनशिप के लिए हुआ है। विद्यालय की प्राचार्या रजनी शर्मा ने छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

वार्षिक भंडारा और रक्तदान शिविर आज

गोहाना। माता चौगान वाली सेवा समिति द्वारा शहर में पानीपत रोड पर लावारिस पीड़ित पशु गोशाला के समीप 1 जून को वार्षिक भंडारा व रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम प्रात. 10 बजे से सायं 3 बजे तक चलेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गांव गढ़ी उजाले खां के सरपंच रविंद्र और विशिष्ट अतिथि नरेंद्र सैनी होंगे। अध्यक्षता राकेश कुमार करेंगे। कार्यक्रम के आयोजन में आयोजक समिति में सुशील कुमार, रणबीर, सन्नी, नरेश, सुभाष और जसमेर का विशेष सहयोग रहेगा।

विदाई समारोह सायोनारा 2025 का आयोजन

सोनीपत। हिंदू कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग, सोनीपत में फाइनल ईयर छात्रों के लिए एक भावनात्मक एवं उल्लासपूर्ण विदाई समारोह सायोनारा 2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिसके तहत नृत्य, गायन, कविता पाठ और भाषण के माध्यम से उन्होंने अपनी भावनाओं को सांझा किया। प्रबंध समिति सदस्य आचार्य राजीव गर्ग ने कहा कि विदाई केवल विदा लेने का अवसर नहीं होती, यह उन पलों को सम्मान देने का क्षण है जो आपने साथ बिताए हैं।

बाइक व कार की टक्कर में युवक घायल

खरखौदा। झरोठ गांव में बाइक व कार में टक्कर हो गई, जिसमें बाइक सवार घायल हो गया। गन्नौर के रहने वाले विरेंद्र का कहना है कि वह किसी काम से खरखौदा गया हुआ था। काम निपटकार वह सोनीपत की तरफ लौट रहा था कि जब वह झरोठ गांव में पहुंचा तो एक कार चालक ने अचानक से अपनी कार को मैन रोड़ की तरफ मोड़ दिया। चालक ने न तो इस दौरान कोई इंडिकेटर दिया हुआ था और ऊपर से रफ्तार के साथ कट मारते हुए उसकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी।

विधायक ने बच्चों को बांटी कॉपियां और वाटर बॉटल

खरखौदा। गो सेवक एवं हिंदी सत्याग्रही आंदोलनकारी स्वर्गीय धनपत साध रोहणा की पुण्यतिथि पर राम चौक स्थित स्वतंत्र मिडिल स्कूल में बरोना गुरुकुल के आचार्य व शिष्यों द्वारा यज्ञ किया गया। इस मौके पर छात्रों को वाटर बॉटल और छुट्टियों के गृह कार्य के लिए कॉपियां वितरित की गई। गुरुकुल के छात्रों को खाद्य सामग्री भी उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक पवन खरखौदा ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि धनपत साध ने हिंदी को बचाने के लिए कई कार्य किए, आंदोलनों में हिस्सा लिया, जेल में गए। ऐसे महान व्यक्तित्व को हमेशा याद रखना चाहिए।

आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली का परीक्षण रहा उद्देश्य

ऑपरेशन शील्ड : सायरन बजते ही लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा

गांव जाजी, नाहरा और रेवली में किया नागरिक सुरक्षा का अभ्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिला प्रशासन द्वारा गृह मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के तहत शनिवार को 'ऑपरेशन शील्ड' के अंतर्गत जिला के तीन स्थानों पर व्यापक नागरिक सुरक्षा अभ्यास (मॉक ड्रिल) का आयोजन किया गया। यह अभ्यास गांव जाजी स्थित बिजली निगम के 220 केवी सब-स्टेशन, गांव नाहरा स्थित एचपीसीएल के सीटी गेट कम मदर स्टेशन, और गांव रेवली स्थित ब्रेक पार्ट्स इंडिया कंपनी में किया गया। सांय 5:00 बजे सायरन बजने के साथ तीनों स्थानों पर अभ्यास आरंभ हुआ। सभी चिह्नित संस्थानों में मौजूद लोग तुरंत प्रभाव से बाहर आकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंच गए। ऊपरी मंजिलों पर फंसे लोगों को फायर ब्रिगेड कर्मियों, रेडक्रॉस के आपदा मित्रों तथा 12 हरियाणा बटालियन एनसीसी के कैडेट्स द्वारा सुरक्षित रूप से नीचे लाकर उपचार हेतु निकटवर्ती अस्पतालों में भेजा गया। आगजनी की स्थिति का भी सफलतापूर्वक मुकाबला किया गया। गांव जाजी स्थित बिजली घर और नाहरा स्थित एचपीसीएल में मॉक आगजनी की स्थिति उत्पन्न की गई, जिसमें रेस्क्यू टीमों ने तत्परता से कार्रवाई कर लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला और आग पर शीघ्र नियंत्रण पाया। अभ्यास के माध्यम से आमजन को यह जागरूक किया गया कि आपातकाल की स्थिति में सुरक्षित आंतरिक कमरे या तहखाने की पहचान करें, फॅमिली ड्रिल्स का अभ्यास करें और ब्लैकआउट के दौरान सभी लाइट्स बंद रखें। गांव जाजी में एसडीएम सोनीपत सुभाष चंद्र, गांव नाहरा में एसडीएम खरखौदा डॉ. निर्मल नागर तथा गांव रेवली में एमडी शुगर मिल सोनीपत अमित कुमार के नेतृत्व में मॉक ड्रिल का सफल आयोजन सुनिश्चित किया गया।

सोनीपत। मॉक ड्रिल के दौरान घायलों को ले जाने का अभ्यास करते हुए कैडेट्स।

सोनीपत। मॉक ड्रिल के दौरान निरीक्षण करते हुए उपायुक्त एवं अन्य अधिकारीगण।

कंट्रोल रूम से की मॉनिटरिंग

जिला राजस्व अधिकारी कार्यालय में एक कंट्रोल रूम स्थापित किया गया, जहां से पूरे अभ्यास की मॉनिटरिंग की गई। इस मॉक ड्रिल के माध्यम से यह भी बताया गया कि आपातकालीन स्थिति में क्या करें और क्या न करें। उपायुक्त ने आमजन से अपील की कि वे अपने क्षेत्र में किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस या स्थानीय प्रशासन को दें। उन्होंने बताया कि इस अभ्यास का उद्देश्य न केवल नागरिकों को आपात स्थिति के लिए तैयार करना है, बल्कि संभावित दहशत को कम करना भी है।

नागरिकों की सुरक्षा प्राथमिकता

आपदा के समय नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए यह मॉक ड्रिल आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य नागरिक सुरक्षा तंत्र और आपातकालीन प्रतिक्रिया की कार्यक्षमता को परखना एवं सुदृढ़ करना था। ऐसे अभ्यासों से यह सीखने में मदद मिलती है कि किस स्थिति में किस प्रकार से लोगों को सुरक्षित रूप से रेस्क्यू करना है।

-डॉ. **मनोज कुमार**, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं उपायुक्त।

एनसीसी 12 हरियाणा बटालियन के कैडेट्स ने निभाई अहम भूमिका

इस अभ्यास में एनसीसी 12 हरियाणा बटालियन, सोनीपत के आपदा मित्रों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। हवाई हमले के बाद की संभावित आपात स्थिति जैसे भारी क्षति, घायलों की मौजूदगी, आगजनी व संरचनात्मक गिरावट की काल्पनिक स्थिति बनाई गई, जिसमें कैडेट्स ने 'घायलों' की भूमिका निभाई। रेस्क्यू टीमों ने स्ट्रेचर के माध्यम से उन्हें त्वरित प्राथमिक उपचार केंद्रों तक पहुंचाया और भावनात्मक संबल भी प्रदान किया। एनसीसी कैडेट्स और होमगार्ड बलों के बीच बेहतरीन समन्वय देखने को मिला। जहां होमगार्ड बलों ने सुरक्षा घेरा, मार्गदर्शन और तकनीकी सहायता दी, वहीं एनसीसी कैडेट्स ने नेतृत्व, अनुशासन और साहस के साथ राहत कार्यों को अंजाम दिया। 12 हरियाणा बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी करनाल अनूप रावत के मार्गदर्शन में यह अभ्यास संपन्न हुआ। मेजर संजय श्योराण और हवलदार मनीष के नेतृत्व में गांव नाहरा, हवलदार नीरज व हवलदार सोमवीर के नेतृत्व में गांव जाजी तथा सूबेदार संजय कुमार के नेतृत्व में गांव रेवली में एनसीसी कैडेट्स ने अभ्यास में भाग लिया।

कृषि विज्ञान केंद्र ने गांवों में चलाया विकसित कृषि संकल्प अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

कृषि एवं कल्याण विभाग, भारत सरकार, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के जगदीशपुर, सोनीपत स्थित कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा आज 9 गांवों से विकसित कृषि संकल्प अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत कतलूपुर गांव के कार्यक्रम में मुख्यातिथि खरखौदा के विधायक पवन खरखोदा रहे। पवन खरखौदा ने किसानों के कल्याण के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह किसान हितैषी सरकार है। उन्होंने किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने को कहा। उन्होंने बताया कि वो खुद भी किसान हैं और प्राकृतिक खेती करते हैं।

सोनीपत। कार्यक्रम में पहुंचें विधायक पवन खरखौदा का स्वागत करते हुए।

योग संजीवनी बूटी से कम नहीं : नांदल

- अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर विद्यार्थियों को प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के संदर्भ में शनिवार को गांव आहुलाना स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में योग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को विभिन्न योग क्रियाओं का अभ्यास करवाया गया। यह शिविर जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. राम अवतार और जिला संयोजक डॉ. विनोद के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। शिविर में योग सहायक मनीषा नांदल ने शिक्षक और विद्यार्थियों को प्राणायाम, अनुलोम-विलोम और कपालभाती संहित अन्य योग क्रियाओं का अभ्यास करवाया। मनीषा नांदल ने कहा कि योग जीवन की संजीवनी बूटी है। आजीवन स्वस्थ रहने के लिए योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। उन्होंने कहा कि योग अनेक असाध्य रोगों का रामबाण इलाज भी है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में व्यक्ति के लिए खुद को स्वस्थ रखना किसी चुनौती से कम नहीं है। आज योग ही एक ऐसा सरल माध्यम है जिससे हम खुद को स्वस्थ रख सकते हैं। योग सहायक मनीषा नांदल ने बताया कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग मनाया जाएगा।

गोहाना। विद्यार्थियों को योग क्रियाओं का अभ्यास करवाते हुए योग सहायक मनीषा नांदल। फोटो : हरिभूमि

लोकमाता अहिल्याबाई थी न्यायप्रिय शासक : बड़ौली

300वीं जयंती पर दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

शनिवार को भाजपा द्वारा लोकमाता अहिल्याबाई के 300वीं जयंती पर शहर में शहीद मदनलाल धींगड़ा स्टेडियम में दौड़ प्रतियोगिता करवाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ अहिल्याबाई के चित्र पर पुष्प अर्पित करके उनको श्रद्धांजलि अर्पण के साथ हुआ। अध्यक्षता भाजपा जिल गोहाना के अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक ने की। कार्यक्रम के संयोजक महेंद्र चिड़ाना, सह संयोजक रीना शर्मा और प्रदीप बड़वासनी थे।

मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई एक न्यायप्रिय शासक थी। अपने न्यायपूर्ण शासन में उन्होंने प्रजा के कल्याण के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए। उनके जनहितैषी कार्यों को लेकर बाद में उनको लोकमाता के रूप में जाना जाने लगा। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि बरोदा हलका के पूर्व प्रत्याशी प्रदीप सांगवान थे। कार्यक्रम में पूर्व विधायक रामफल चिड़ाना, भाजपा पूर्व जिला महामंत्री परमवीर सैनी, राजकुमार कटारिया, डॉ. धर्मवीर नांदल, भलेराम नरवाल, डॉ.ओमप्रकाश शर्मा व नरेंद्र गहलावत विशेष रूप से उपस्थित रहे। दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम 5 लड़के और 5 लड़कियों को मोहनलाल बड़ौली ने पदक देकर सम्मानित किया।

गोहाना। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर विपिन गोयल और सुनील, भूपेंद्र मुदगिल, धावक सानिया पांचाल, जस्सी खुराना, डॉ. राममेहर राठी व सोमवीर वत्स सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

योग दिवस : स्कूलों में छुट्टियों से पहले विद्यार्थियों को दिया प्रशिक्षण

गन्नौर। योग प्रशिक्षण के दौरान योग शिक्षक जीत राम ने सूक्ष्म व्यायाम, आसन, प्राणायाम और ध्यान करवाते हुए ।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

आयुष विभाग हरियाणा और योग आयोग हरियाणा के अंतर्गत 11 वे विश्व योग दिवस को सफ़ल बनाने के लिए स्कूलो में जिला सोनीपत आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ राम अवतार के मार्गदर्शन में डॉ विनोद कुमार (जिला योग समन्वयक) संगीता देवी (योग विशेषज्ञ) के निर्देशानुसार स्कूलों की छुट्टियों से पहले योग प्रशिक्षण दिया गया। योग प्रशिक्षण के दौरान योग शिक्षक जीत राम ने सूक्ष्म व्यायाम, आसन, प्राणायाम और ध्यान कराया गया। योग शिक्षक जीत राम ने बताया कि इस बार राज्य स्तरीय कार्यक्रम कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर होने जा रहा है। जहां पर 1 लाख व्यक्तियों से ज्यादा साधकों के आने का अनुमान लगाया जा रहा है। यौगिक आसनों से मन और शरीर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। योग शिक्षक जीतराम ने कहा कि ध्यान का अभ्यास करने से एकाग्रता बढ़ती है।

कार्यक्रम इनेलो महिला संगठन की मजबूती पर जिला स्तरीय बैठक का आयोजन

कांग्रेस ने लोगों को ठगने का काम किया : सुनैना

- इनेलो प्रदेश महिला प्रभारी सुनैना चौटाला और महिला प्रदेशाध्यक्ष तनुजा कश्यप ने किया संबोधित

सोनीपत। महिलाओं की बैठक को संबोधित करते हुए महिला प्रकोष्ठ प्रभारी सुनैना चौटाला। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

इनेलो महिला प्रकोष्ठ प्रभारी सुनैना चौटाला ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि हुड्डा खत्म कांग्रेस खत्म हो चुकी है। क्योंकि कांग्रेस के नेताओं ने हरियाणा के लोगों को ठगने का काम किया है इसलिए उनका परिणाम सामने हैं। वह आज तक विपक्ष का नेता भी नहीं बना पाए हैं। उन्होंने कांग्रेस के विधायकों पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता विधानसभा में चुटकुला गोष्ठी करते हैं। सुनैना चौटाला ने जननायक जनता पार्टी के नेता दुष्यंत चौटाला पर भी निशाना साधा कि वह केवल फोटो की राजनीति कर रहे हैं हरियाणा की जनता ने उन्हें नकार दिया है। सुनैना चौटाला व प्रदेशाध्यक्ष तनुजा कश्यप महिला संगठन की जिला स्तरीय बैठक में हिस्सा लेने के लिये सोनीपत पहुंचीं थी।

इनेलो की विचारधार महिलाओं की ताकत

इस दौरान सुनैना चौटाला और प्रदेशाध्यक्ष तनुजा कश्यप ने महिला कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाया। सुनैना चौटाला ने कहा कि इनेलो की विचारधारा ही महिलाओं की असली ताकत है, हम सब मिलकर इस संगठन को हर जिले, हर गांव तक पहुंचाएंगे। तनुजा कश्यप ने भी अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा में बदलाव की आंधी चल चुकी है। बैठक को जिलाध्यक्ष कुणाल गहलावत, महिला जिलाध्यक्ष मनजीत फोगाट, पूर्व एसपी अनूप दहिया, कृष्ण मलिक ने भी संबोधित किया।

न्यूज डायरी

सोनीपत। सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी साथियों को सम्मानित करते हुए।

विश्वविद्यालय में दो कर्मचारी सेवानिवृत्त

सोनीपत। दीनबंधु छोटू राम यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय के दो कर्मचारी फोरमैन राजेन्द्र प्रसाद और सहायक सुमेर चंद को विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने सम्मानजनक समारोह में भावभीनी विदाई दी। सभी कर्मचारियों ने दोनों कर्मचारियों के काम की सराहना की एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति, कुलसचिव, डॉ. बीरेन्द्र हुड्डा, डॉ. ज्ञानेन्द्र सिंह, डॉ. संजू सैनी, डॉ. योगेंद्र शर्मा, आनंद राणा, हरबंस लाल, राजेश शर्मा, श्यामसुन्दर, महेंद्र सैनी, चांद सिंह आदि मौजूद रहे।

खरखौदा। बीज वितरित करते सितेंद्र दहिया।

गुणवत्ता बीजों का किया निःशुल्क वितरण

खरखौदा। समीपवर्ती गांव रोहणा की चौपाल में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और सूर्या फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में अनुसूचित जाति के किसानों के लिए बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सूर्या फाउंडेशन के जिला प्रभारी सत्यम पाण्डेय तथा प्राकृतिक कृषि के राष्ट्रीय स्तरीय मास्टर ट्रेनर एवं प्रगतिशील किसान सितेंद्र दहिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय अनुसूचित जाति समुदाय के 30 से अधिक किसानों को पीबी 1692 और 1718 जैसे गुणवत्तापूर्ण बीजों का निःशुल्क वितरण किया गया। यह पहल किसानों की आर्थिक स्थिति सुधारने और कृषि उत्पादकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सितेंद्र दहिया ने इस अवसर पर किसानों को प्राकृतिक कृषि की तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने की सलाह दी। कार्यक्रम का समापन गांव के स्थानीय लोगों के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

खरखौदा। योगाभ्यास कराते हुए योग प्रशिक्षक नीलम।

योग जीवन को बेहतर बनाने की पद्धति : नीलम

खरखौदा। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ रामावतार के निर्देशानुसार ग्यारहवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को सफल बनाने के उद्देश्य से विभिन्न जगहों पर विशेषकर शिक्षण संस्थानों में आयुष विभाग द्वारा योग प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में खरखौदा क्षेत्र के कई स्कूलों में योग सहायकों ने योग प्रशिक्षण देने का काम किया है। योग प्रशिक्षक नीलम और सुमन ने सिलाना, सिसाना, सेहरी,नकलोई गांवों के राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को योगा प्रोटोकॉल का पूर्वाभ्यास करवाया। योग प्रशिक्षक नीलम ने बताया कि योग जीवन को बेहतर बनाने की पद्धति है। पूरी दुनिया में योग को प्रचारित करने का श्रेय भारत को है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी सभ्यता ने भी जीवन के सर्वांगीण विकास में योग के महत्व को स्वीकार किया है। आगामी 21 जून को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योग दिवस मनाया जाएगा, जिसमें विद्यार्थियों द्वारा भी अपनी भूमिका अदा की जाएगी।

खरखौदा। भाषण प्रतियोगिता के प्रतिभागी विद्यार्थी।

भाषण प्रतियोगिता में अनुष्का रही प्रथम

खरखौदा। खांडा रोड़ स्थित कल्पना चावला विद्यापीठ में शनिवार को तंबाकू निषेध दिवस पर अंतर्सदनीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका आयोजन सुंदरम् सदन द्वारा किया गया, जिसमें 9 वीं से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। मंच का संचालन अध्यापिका सुमन ने कुशलता से किया। वहीं प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में अंग्रेजी विभाग के अध्यापक दीपक और परमजीत शामिल रहे। विद्यालय के तीनों सदनों - सत्यम् ,शिवम् और सुंदरम् से 3-3 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने प्रभावशाली भाषण के माध्यम से तंबाकू के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला और समाज को इससे दूर रहने के लिए जागरूक किया। घोषित परिणाम के अनुसार प्रथम स्थान पर शिवम् सदन से अनुष्का पुत्री नरेंद्र, द्वितीय स्थान पर सुंदरम् सदन से चाहत पुत्री श्रवण और तृतीय स्थान पर सत्यम् सदन से अन्वी पुत्री सतीश रही।

सोनीपत। सफाई कर्मचारियों को सम्मानित करते हुए मेयर राजीव जैन साथ में अन्य।

मेयर ने दो सफाई कर्मचारी सम्मानित किए

सोनीपत। नगर निगम मेयर राजीव जैन ने हर शनिवार स्वच्छता अभियान के तहत सफाई कार्य में कर्तव्यनिष्ठा से कार्य करने वाले पश्चिमी जोन के दो कर्मचारियों सोनिया एवं राजबीर को 1100 रूपये का नकद इनाम एवं पटका पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता योद्धाओं को सम्मानित करने के पीछे उद्देश्य यही है कि अन्य कर्मचारी भी अपनी ड्यूटी में किसी भी प्रकार की कोताही ना बरतें और शहर को अपना शहर मानकर सफाई पर ध्यान दें। सफाई अभियान महाराजा अग्रसेन चौक से सेक्टर 15 बाईपास तथा ककरोई चौक से सेक्टर 23 मोड़ तक चलाया गया। उन्होंने कहा कि रेहड़ी वाले दिन भर का गंद सड़कों पर फेंक कर चले जाते हैं, दुकानदार सफाई करने के बाद कूड़ा सड़क पर छोड़ देते हैं या नाले में डाल देते हैं। सफाई अभियान में पार्षद सुरेंद्र मदान, मुकेश सैनी, पार्षद प्रतिनिधि राजेश दहिया, मंडल अध्यक्ष राज कुमार शर्मा, सत नारायण मेहरा, नकिन मेहरा, दीपक पांचाल, देवेश बल, सुरेंद्र शर्मा, लक्ष्मण, सतवीर प्रधान वाल्मीकि समाज, नरेश शर्मा, हरि ओम शर्मा, मुख्य सफाई निरीक्षक साहब सिंह, सतेंद्र दहिया, सफाई निरीक्षक सुंदर मलिक, सफाई कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

हरियाणा की टीम का चयन होगा आज

सोनीपत। काम्बेट फेडरेशन ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन 20 जून से 22 जून तक गोरखपुर उत्तरप्रदेश में करवाई जाएगी। इसी संदर्भ में हरियाणा राज्य की टीम का चयन करने के लिये प्रतियोगिता का आयोजन 1 जून को रविवार को होगा। कल्याण नगर में महाभारत केसरी पं. जगदीश अखाड़े में यह आयोजन होगा। जिसमें सब जूनियर, जूनियर, सीनियर, वेटर्न में पुरुष और महिला दोनों खिलाड़ियों के लिये सुबह 8 बजे वजन होगा।

रोड पार कर रहे व्यक्ति को कैंटर ने चपेट में लिया, मौत

सोनीपत। सेक्टर-27 शहर थाना सोनीपत में सड़क पार करते समय तेज रफ्तार कैंटर ने व्यक्ति को चपेट में ले लिया। हादसे में व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के लिए उसे अस्पताल में लाया गया। जहां से उसे रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया। पीजीआई में उपचार के दौरान व्यक्ति की मौत हो गई। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाया। पुलिस मृतक की पहचान के प्रयास कर रही है।

ट्रक चालक ने लगाए ब्रेक कार की ट्रक से हुई भिड़ंत

सोनीपत। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-44 पर केजीपी-केएमपी जीरो प्वाइंट के पास टैक्सी चालक की सड़क हादसे में मौत ट्रक चालक की लापरवाही से हुई थी। पुलिस ने टैक्सी चालक के भाई के बयान पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपित की पहचान के प्रयास कर रही है। गांव गोरया फिल्लौर पंजाब निवासी राकेश ने बताया कि उसका छोटा भाई हिमांशु अपनी कार को टैक्सी में चलाता है। उसका भाई सवारी लेकर दिल्ली जाते रहता है।

कार से लैपटॉप व हजारों रुपये की राशि चोरी, केस

सोनीपत। मुरथल थाना क्षेत्र में ढाबे पर खाना-खाने आए सेल्स मैनेजर की कार से लैपटॉप व नदकी सहित अन्य सामान के चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपित सुनील निवासी सतनाली महेंद्रगढ का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से एक दिन के रिमांड पर भेजा है।

कृत्रिम प्रोटीन पाउडरों से दूरी बना कर संतुलित आहार लें

गन्नौर। पूर्व डब्ल्यूडब्ल्यूई के पूर्व रेसलर दलीप सिंह राणा उर्फ द ग्रेट खली शनिवार को गन्नौर जीटी रोड एक जिम पहुंचे। जिम में विधायक देवेंद्र कादियान ने भी शिरकत की। इस अवसर पर खली ने जिम में मौजूद युवाओं को व्यायाम के बारीक गुर सिखाए। उन्होंने युवाओं को संदेश देते कहा कि वे दूसरों की नकल करते व्यायाम न करें, अपितु अपनी शारीरिक क्षमता के अनुसार ही कसरत करें। उन्होंने स्टेरायड व कृत्रिम प्रोटीन पाउडरों से दूरी बना कर संतुलित आहार और नियमित जीवनशैली अपनाने पर बल दिया।

स्वतंत्र स्कूल में ईएनटी नेत्र जांच शिविर आज

खरखौदा। प्रोफेसर डॉ अशोक खुराना की स्मृति में रविवार एक जून को स्वतंत्र मिडिल स्कूल, राम चौक, खरखौदा में निःशुल्क जांच शिविर लगाया जा रहा है। जिसके मुख्य अतिथि विधायक पवन खरखौदा होंगे। शिविर में आंख, कान, गला, नाक और दांतों की जांच की जाएगी। दवाइयां और चश्मे मुफ्त दिए जाएंगे। बीपी और शुगर की जांच भी निःशुल्क होगी। मोतियाबिंद, कान के पर्दे और टॉन्सिल के ऑपरेशन के लिए एम्बुलेंस सुविधा के साथ मुफ्त इलाज मिलेगा।

सदगुरु कबीर प्रकोटत्सव समारोह को लेकर मंथन

सोनीपत। सदगुरु भरतू शाह आश्रम कबीर चौरा समिति द्वारा शनिवार को सभा आयोजित की गई। सभा में दो दिवसीय सदगुरु कबीर प्रकोटत्सव सत्संग समारोह को मनाने पर विचार विमर्श किया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा का विवरण करते समिति के प्रधान पवन सोलंकी ने बताया कि 10 जून को सत्संग समारोह 9 बजे से सुबह 5 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

निजी लैब में टेस्ट के लिए नहीं करनी होगी जेब ढीली

सुविधा- नागरिक अस्पताल में शुरू होगी थायराइड, विटामिन डी व बी-12 की जांच

सीबीसी जांच के लिए मशीन भी आधुनिक तकनीक की

हिस्टोपैथ या सीबीसी जांच के लिए हेमेटोलॉजी मशीन भी आधुनिक तकनीक की है जल्द इनको इंस्टॉल किया जाएगा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिला नागरिक अस्पताल में मरीजों को बेहतर चिकित्सक सुविधा देने के प्रबंधन प्रयासरत है। इसी कड़ी में प्रबंधन की तरफ से अस्पताल में मरीजों के लिए थायराइड, विटामिन डी व बी 12 सहित अन्य जांच शुरू करने का निर्णय लिया गया है। विभाग की तरफ से सभी प्रक्रियाओं को लगभग पूरा कर लिया गया है। अस्पताल में शुरू होने वाली उक्त जांच के चलते मरीजों को निजी लैब में जेब ढीली नहीं करनी होगी। उक्त जांचों का सबसे ज्यादा फायदा थायराइड से ग्रस्त मरीजों को होगा।

बता दें कि वर्तमान में मरीजों को थायराइड रोग की जांच के लिए दिक्कत का सामना करना पड़ता है। मरीजों की सुविधा के लिए जिला अस्पताल में थायराइड के टी3, टी4 और टीएसएच के टेस्ट जल्द शुरू होंगे। इससे जिलेभर के थायराइड पीड़ित मरीजों को राहत मिलेगी। थायराइड से पीड़ित रोगियों की संख्या काफी अधिक है। निजी प्रयोगशाला में जांच कराने पर 500 से 600 रुपये लिए जाते है। थायराइड के मरीजों के सैंपलों की जांच हार्मोन एनालाइजर मशीन से होगी। अस्पताल में शुरू होने वाली जांच से मरीज को निजी लैब में धक्के नहीं खाने पड़ेगें। विटामिन डी और विटामिन बी12 की जांच लैब में होगी, तीन घंटे में मिलेगी रिपोर्टः विटामिन-डी हमारे शरीर के लिए जरूरी तत्व होता है। इस विटामिन की मदद से हड्डियों, बालों व त्वचा को पोषण प्राप्त होता है। यह एक एसेंशियल विटामिन है लेकिन लोगों के शरीर में इस विटामिन की कमी होना भी कॉमन है। हॉर्मोन एनालाइजर मशीन के जरिए विटामिन डी और विटामिन बी12 की जांच की जाएगी। वहीं चिकित्सक की तरफ से जांच के लिए लिखा जाने के बाद मरीज को अस्पताल में बने सैंपल कक्ष में पहुंचे और खून का सैंपल देने होगें। इसके बाद सैंपल देने के तीन घंटे में रिपोर्ट दे दी जाएगी। वही प्रयोगशाला में अब दो बायो केमिस्ट्री मशीन आई है। प्रयोगशाला में इन मशीनों की संख्या तीन हो जाएगी। हिस्टोपैथ या सीबीसी जांच के लिए हेमेटोलॉजी मशीन भी आधुनिक तकनीक की है। जल्द इनको इंस्टॉल किया जाएगा।

गर्भवती के लिए सबसे ज्यादा लाभ

थायराइड से पीड़ित गर्भवती जो हाई रिस्क कैटेगरी में आती हैं। 90 फीसदी गर्भवती के लिए थायराइड की जांच जरूरी है। ऐसे में गर्भवती का टेस्ट कराना अति आवश्यक है। ये ऐसी महिलाएं हैं जो ज्यादातर बच्चा होने या गर्भ गिर जाने की समस्या से पीड़ित रहती हैं। इसके अलावा ऐसे मरीज भी होते हैं जिनमें उच्च निम्न रक्तचाप की शिकायत रहती है। नवजात बच्चों को भी ऐसी शिकायत की आशंका बनी रहती है।

जल्द शुरू होगी

मरीजों की सुविधा के लिए प्रबंधन प्रयासरत है। मरीजों को बाहर के धक्के न खाने पड़े उसके लिए अस्पताल में स्थित लैब में थायराइड, विटामिल व अन्य विभिन्न तरह की जांच होगी। हिस्टोपैथ, हेमेटोलॉजी, बायो केमिस्ट्री की दो व हार्मोन एनालाइजर मशीन पहुंची है। जल्द ही इन मशीनों को इंस्टाल कर चालू किया जाएगा। जिसके बाद टेस्ट की सुविधा आमजन के लिए उपलब्ध होगी। *डा. ज्योत्सना प्रधान चिकित्सक अधिकारी नागरिक अस्पताल।*

गन्नौरः औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की छात्राओं ने ब्यूटी कंपनी में भ्रमण किया

- प्रशिक्षण लेने वाले युवाओं के लिए कौशल और ज्ञान को विकसित करने के अवसर इविया ब्यूटी : मनोज शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गन्नौर। छात्राएं दौरा करने के बाद कंपनी के अधिकारियों व शिक्षकों के साथ।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान समालखा की छात्राओं ने कामी स्थित इविया ब्यूटी कंपनी में भ्रमण किया। कंपनी में पहुंचने पर संस्थान की प्रधानाचार्य रंजना शर्मा का इविया ब्यूटी कंपनी के प्लांट हेड मनोज शर्मा ने पुष्प कुछ देकर स्वागत किया और कंपनी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कंपनी के प्लांट हेड मनोज शर्मा ने छात्रों को संबोधित किया। छात्राओं के साथ प्रधानाचार्य रंजना शर्मा, कंप्यूटर अनुदेशक नरेश कुमार व ट्रेड अनुदेशिका निशा शर्मा मौजूद थे।

सोनीपत। साउथ पॉइंट स्कूल में विश्व तंबाकू दिवस पर आयोजित नुक्कड़ नाटक में अपनी प्रस्तुति देते विद्यार्थी। *फोटो :हरिभूमि*

विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया

सोनीपत। साउथ पॉइंट स्कूल में शनिवार को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया। विद्यार्थियों ने कविता, भाषण व स्लोगन लेखन के माध्यम से तंबाकू से होने वाली हानियों से अवगत कराते इससे दूरी बनाने के लिए प्रेरित किया। साउथ पॉइंट ग्रुप के चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री ने विद्यार्थियों द्वारा दी गई प्रस्तुतियों की सराहना की और इस दिवस को मनाने के उद्देश्य के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साउथ पॉइंट ग्रुप के चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री ने बताया कि तंबाकू के सेवन से हर साल लाखों लोगों की असमय ही मृत्यु हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 1987 में विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाने की शुरुआत की थी। साउथ पॉइंट ग्रुप के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन रोहित खत्री, साउथ पॉइंट ग्रुप की वाइस चेयरपर्सन वर्तिका खत्री ने तंबाकू ने होने वाली हानियों के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक किया।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल कोर्ट पेश नहीं

सोनीपत। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, हरियाणा की तरफ दी शिकायत के मामले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तीसरी तारीख पर भी मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में पेश नहीं हुए। उन्हें मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नेहा गोयल ने व्यक्तिगत रूप से पेश होने को नोटिस दे रखा है। उनके अधिवक्ता ने सुनवाई विशेष अदालत में करने की अर्जी लगा रखी है। जिसका अभी जवाब नहीं आया है। मामले में अब 9 अक्तूबर अगली तारीख लगाई गई है। यह था मामला- कार्यकारी अभियंता (एक्सईएन), राई वॉटर सर्विसेज डिविजन, आशीष कौशिक की तरफ से सीजेएम नेहा गोयल की अदालत में 29 जनवरी को शिकायत पत्र दिया गया था। जिसमें 28 जनवरी को सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो का हवाला दिया था। वीडियो में अरविंद केजरीवाल की तरफ से हरियाणा सरकार पर यमुना नदी के पानी में जहर मिलाकर दिल्ली भेजने के आरोप थे। दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों ने पानी को रोककर संभावित सामूहिक नरसंहार से बचाया था।

गन्नौर। हरियाणा मध्य प्रांत के उपाध्यक्ष योगेश कौशिक व स्कूल निदेशक अमित बत्रा रक्तदान करते हुए । *फोटो :हरिभूमि*

107 यूनिट रक्त एकत्रित किया

गन्नौर। जीटी रोड स्थित प्रयास इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को स्व. डा. संजय जैन की स्मृति में भाविप एवं रोटरी क्लब गन्नौर के संयुक्त तत्वावधान में निशुल्क नेत्र जांच एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रोटरी ब्लड बैंक ओमैक्स सिटी के सहयोग से कुल 107 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर में 75 लोगों की शुगर, बीपी, हीमोग्लोबिन, कैल्शियम एवं कोलेस्ट्राल की जांच की गई। नेत्र जांच शिविर में 97 जरूरतमंदों को निश्शुल्क चश्मे वितरित किए गए, जबकि 200 लोगों को दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। जांच के दौरान मोतियाबिंद से ग्रसित 13 मरीजों की पहचान की गई, जिनका आपरेशन दिल्ली स्थित मौजीराम अस्पताल में निशुल्क कराया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा मध्य प्रांत के उपाध्यक्ष योगेश कौशिक उपस्थित रहे। अध्यक्षता प्रांतीय सेवा संयोजक संदीप बंसल ने की। भाविप गन्नौर अध्यक्ष संदीप सिंघल, रोटरी स्कूल के अध्यक्ष मनीष बंसल, विकास भगवती, निशा कौशिक, नवीन खन्ना, अतुल जैन, प्रयास स्कूल के प्रबंधक अमित बत्रा आदि मौजूद रहे।

बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

स्वर्णप्रस्थ पब्लिक स्कूल में प्रतिभा सम्मान समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन स्वर्णप्रस्थ पब्लिक स्कूल में शनिवार को किया गया। जिसमें कक्षा दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षा में उत्तीर्ण मेधावियों को सम्मानित कर विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न, प्रमाण- पत्र एवं नगद धनराशि देकर सम्मानित किया गया। साथ ही विविध विषयों में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया। विद्यार्थियों एवं अभिभावकों ने विद्यालय की इस पहल की मुक्त कंठ से प्रशंसा की, सम्मानित विद्यार्थियों के चेहरे पुरस्कार पाकर खिल उठे। प्रधानाचार्य रोहित पंडा ने प्रतिभावान विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर मुख्याध्यापक एसपी सिंह, मुख्याध्यापिका मेघा कौशिक सहित अध्यापक- अध्यापिका मौजूद रहे।

सोनीपत। प्राचार्य डॉ. नरेंद्र सिंह को सम्मानित करते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

प्राचार्य डॉ. नरेन्द्र सिंह को किया सम्मानित

सोनीपत। छोटूराम आर्य महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नरेन्द्र सिंह को बेहतर कार्य प्रदर्शन व कर्तव्यनिष्ठता के प्रति उन्हें सम्पूर्ण हरियाणा प्रदेश के सरकारी सहायता प्राप्त महाविद्यालयों की प्राचार्य एसोसिएशन क्लब द्वारा सम्मानित किया गया। हिन्दू कन्या कालेज जींद में आयोजित सभा में डॉ. नरेन्द्र सिंह को पारम्परिक शाल व प्रशस्ति पत्र भेंट कर चौधरी रणबीर सिंह विवि जींद के पूर्व उपकुलपति डॉ. रणपाल सिंह, वर्तमान उपकुलपति डॉ. आर.पी. सैनी, डॉ. अशोक चौधरी व डॉ. कृष्णकांत गुप्ता रजिस्ट्रार एमडीयू रोहतक द्वारा सम्मानित किया गया। समारोह के आयोजनकर्ता डॉ. पूनम मोर (प्राचार्य हिन्दू कन्या कालेज जींद) का सभी ने विशेष धन्यवाद ज्ञापन किया। मौके पर सम्पूर्ण हरियाणा के सरकारी सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के सभी प्राचार्य उपस्थित रहे।

सरकार प्रदेश के प्रत्येक वर्ग के समग्र व समान विकास के लिए संकल्पितः सीएम

- चंडीगढ़ से दिल्ली जाते समय सीएम भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के पेट्रोल पंप पर रुके

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

राई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली के पेट्रोल पंप पर स्वागत करते हुए मास्टर सत्यनारायण आंतिल व अन्य। **फोटो :हरिभूमि**

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को चंडीगढ़ से दिल्ली जाते समय कुछ समय के लिए सोनीपत में रुके। इस दौरान उन्होंने भाजपा हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली के पेट्रोल पंप पर समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने मुलाकात की और यहां उपस्थित लोगों ने उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का भाजपा नेता मास्टर सत्यनारायण आंतिल, जिला अध्यक्ष व गणमान्य लोगों ने स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर जनसाधारण से सीधे संवाद करते हुए कहा कि भाजपा सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की नीति पर चलते हुए प्रदेश के प्रत्येक वर्ग के समग्र और समान विकास के लिए संकल्पित है। उन्होंने उपस्थित लोगों से उनका हाल-चाल पूछा तथा जनसमस्याओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार हरियाणा को आत्मनिर्भर, समृद्ध और खुशहाल बनाने के लिए हर क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने जनता से आग्रह किया कि वे सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं और अपने क्षेत्र के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाएं। मुख्यमंत्री ने सभी उपस्थित जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं और नागरिकों का आभार व्यक्त किया और बाद में दिल्ली के लिए प्रस्थान किया। मुख्यमंत्री के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली भी मौजूद रहे।

शिक्षकों को दिया कक्षा प्रबंधन का प्रशिक्षण

- सीबीएसई द्वारा मान इंटरनेशनल स्कूल में क्षमता संवर्धन कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना। निदेशक दीपक मान, प्राचार्या मंजू मान व रिसोर्स पर्सन के साथ प्रतिभागी शिक्षकगण। *फोटो : हरिभूमि*

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा शनिवार को गोहाना-खरखौदा मार्ग स्थित मान इंटरनेशनल स्कूल में क्षमता संवर्धन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों ने प्रतिभागिता की। यह कार्यक्रम कक्षा प्रबंधन विषय पर आधारित रहा जिसमें शिक्षकों को विषय संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के रिसोर्स पर्सन डॉ. नीरज त्यागी और राजेंद्र कौर थे। डॉ. नीरज ने कहा कि विद्यार्थियों के उचित मार्गदर्शन के लिए कक्षा प्रबंधन अति आवश्यक है। कक्षा प्रबंधन की जिम्मेवारी शिक्षकों की है। शिक्षक कक्षा में अनुशासन, सकारात्मक वातावरण बनाकर रखें। राजेंद्र कौर ने कहा कि शिक्षक को विद्यार्थियों के व्यवहार को समझना बेहद जरूरी है। जब तक शिक्षक कक्षा में विद्यार्थियों के व्यवहार को नहीं समझ पाएंगे तब तक वे उनका उचित मार्गदर्शन नहीं कर सकेंगे। कार्यक्रम के संयोजक स्कूल के निदेशक डॉ. दीपक मान थे। अध्यक्षता प्राचार्या मंजू मान ने की। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र में प्रतिभागी शिक्षकों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

सोनीपत। दुकानदार का चालान काटते हुए टीम। *फोटो :हरिभूमि*

लापरवाही बरतने वालों के काटे चालान

सोनीपत। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़खालसा के द्वारा तंबाकू के प्रयोग को कम करने के लिए व उससे होने वाले नुकसानों के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाया गया। अभियान के तहत जानकारी दी कि भारत में लगभग 35% लोग तंबाकू का सेवन करते हैं तथा प्रतिवर्ष 13 लाख से ज्यादा लोग है समय से पहले ही मृत्यु का शिकार हो जाते हैं। क्षेत्र की नोडल अधिकारी डा. अन्विता कौशिक ने बताया कि तंबाकू में लगभग 4000 से ज्यादा रसायन होते हैं जिनमें 70 कैंसर को पैदा करने वाले होते हैं। इसी अभियान के तहत वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अटेरना में तंबाकू निषेध पर भाषण प्रतियोगिता करवाई गई जिसमें स्वास्थ्य विभाग से ब्लॉक हेल्थ एजुकेटर राजेश कुमार ने बच्चों को बताया कि तंबाकू के प्रयोग से चाहे वह धूम्रपान के रूप में प्रयोग किया जाए या गुटखा, पान मसाला, खैनी आदि के रूप में, यह सभी तरह से बहुत नुकसानदायक है। टीम द्वारा राई ,कुंडली क्षेत्र में कोपटा नियम का उल्लंघन करने वाले लोगों व दुकानदारों के चालान काटे गए।

कार्यक्रम देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300 वी जयंती बड़ी धूमधाम से बनाई

बोर्ड की 10वीं व 12वीं कक्षा के मेधावी छात्रों का विधायक ने किया सम्मान

देवी अहिल्याबाई होल्कर ने पिछड़ों के लिए भी संघर्ष कियाः गहलावत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

राई। विधायक कृष्णा गहलावत मेधावी छात्रों को सम्मानित करते साथ में पूर्व अध्यक्ष कुलदीप नांगल,जाखौली मंडल अध्यक्ष शेखर आंतिल व शिक्षक।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नांगल कला में शनिवार को देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300 वी जयंती बड़ी धूमधाम से बनाई गई। जयंती समारोह में मुख्य अतिथि राई हलका विधायक एवं पूर्व मंत्री कृष्णा गहलावत ने शिरकत की । स्कूल में पहुंचने पर विधायक का स्कूल के प्रधानाचार्य तेजवीर वह शिक्षकों ने गांव के गणमान्य लोगों के साथ पुष्प गुच्छ व फूलमालाओ से स्वागत किया । विधायक कृष्णा गहलावत ने सर्वप्रथम देवी अहिल्याबाई होल्कर की मूर्ति पर माला अर्पण करी। इसके बाद स्कूल की हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की 10वीं व 12वीं कक्षा के मेधावी छात्रों का विधायक कृष्णा गहलावत ने सम्मान किया। प्रधानाचार्य ने विधायक कृष्णा गहलावत को स्कूल की समस्याओं के समाधान के लिए मांग पत्र भी सौंपा। अपने गांव के राजकीय स्कूल में मेधावी छात्राओं के सम्मान में पूर्व मार्केट कमेटी अध्यक्ष एवं भाजपा नेता कुलदीप नांगल ने अपनी तरफ से सहयोग राशि दी। विधायक ने संबोधित करते कहा कि ने कहा कि अहिल्या बाई ने केवल पाल समाज के लिए ही नहीं बल्कि पिछड़ों के लिए भी संघर्ष किया। जिसके लिए वह हमेशा याद की जाती रहेंगी। उन्होंने ग्रामीणों से लड़कों के साथ ही अपनी लड़कियों को भी उच्च शिक्षित बनाने का आह्वान किया। पूर्व चेयरमैन कुलदीप नांगल, जखोली मंडल के अध्यक्ष शेखर आंतिल, गांव के सरपंच अनिल, आनंद प्रधान, मंडल अध्यक्ष वेदपाल शास्त्री, जेपी रेवली, संजीत सबोली, अंजलि बजाज, सतीश, पंकज, पंडित मुकेश, कृष्ण पहलवान जय भगवान, नाना पहलवान, रणवीर, रविंद्र ,धर्मवीर ,जस्सू पंडित, सुंदर, छोटू पतला , डॉ रमेश तुसीर आदि मौजूद रहे।

हस्ताक्षर अभियान में लोगों ने दिखाया उत्साह, निभाई सामाजिक जिम्मेदारी

हरिभूमि ने सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर चलाया हस्ताक्षर अभियान, हजारों का मिला समर्थन, सभी ने ली तंबाकू उत्पादों को रोकने की शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी दैनिक समाचार पत्र हरिभूमि ने अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए रेलवे स्टेशन पर विश्व तंबाकू निषेध दिवस के मौके पर हस्ताक्षर अभियान चलाया। शनिवार को चलाए गए हस्ताक्षर अभियान में लोगों ने गजब का उत्साह दिखाते हुए तम्बाकू उत्पादों के बहिष्कार की मांग उठाई। अभियान के तहत लोगों को शपथ दिलाई गई कि वे तंबाकू उत्पादों की रोकथाम के लिये पूर्ण सहयोग करेंगे। हस्ताक्षर अभियान की शुरूआत सुबह 8 बजे से ही कर दी गई थी। इस दौरान रेलवे स्टेशन आने-जाने वाले 20 हजार से अधिक लोगों ने इस कैंपेन को देखा और इसकी सराहना की। इनमें से हजारों की संख्या में हर वर्ग के लोगों ने हस्ताक्षर अभियान में हिस्सा लिया और तंबाकू के सेवन से परहेज करने के लिए स्लोगन भी लिखे। समय-समय पर रेलवे स्टेशन पर पहुंचकर समाज के प्रबुद्ध जनों ने भी हस्ताक्षर कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। जिसमें विधायक निखिल मदान, नगर निगम मेयर राजीव जैन, नागरिक अस्पताल के चिकित्सक डॉ. तरुण यादव, शुगर मिल से अविनाश सरीखे प्रमुख लोग शामिल रहे। वहीं जीआरपी से कृष्ण, सतीश कुमार व आरपीएफ से श्रीनारायण और सुखबीर सिंह ने भी अभियान में हिस्सा लेते हुए अपने हस्ताक्षर किए। इसके अलावा इस आयोजन में सहयोगी जैन विद्या मंदिर स्कूल से शिक्षकों का एक पूरा दल अभियान में हिस्सा लेने के लिये रेलवे स्टेशन पहुंचा था। वहीं सहयोगी जीवीएम गर्ल्स कॉलेज से डॉ. वंदना मलिक ने प्राचार्या डॉ. मंजूल स्पाह की ओर से तम्बाकू के खिलाफ संदेश लिखा तो सहयोगी लर्निंग यार्ड स्कूल की ओर से विकास भारद्वाज ने भी अभियान में हिस्सा लिया।

हर वर्ग ने लिया अभियान में हिस्सा

अभियान के दौरान युवा वर्ग ने अपनी ताकत दिखाई। हस्ताक्षर करने वालों में 80 फीसदी के करीब युवा ही थे। वहीं आधी आबादी कही जाने वाले महिला वर्ग ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। युवतियां हो या फिर महिलाएं सभी ने अभियान के तहत अपने हस्ताक्षर करते हुए तम्बाकू को पूरी तरह से समाप्त करने की बात कही। कुछ युवाओं ने अपने अनुभव भी सांझा किए। जिसमें गन्नौर के अमित, राजपुर के बृजेश, चिटाना के जगत सिंह, निशिका व मनीषा, राजलूगढ़ी की खुशी, दिल्ली के मिंटू, सोनीपत की पूजा शामिल रहे। हस्ताक्षर करने कुछ परिवार भी पहुंचें जिसमें सिसाना के अर्जुन और उनका परिवार शामिल रहा। इसके अलावा कुछ बच्चों ने भी अभियान में हिस्सा लेते हुए अपने हस्ताक्षर किए जिसमें कार्तिक, खुशील और गुरशीश शामिल रहे।

रेलवे स्टेशन पर आयोजित हरिभूमि के हस्ताक्षर अभियान में हिस्सा लेती महिला शिक्षिकाएं।

सोनीपत। हस्ताक्षर अभियान के तहत करवाए गए हस्ताक्षर।

सोनीपत। अभियान के तहत रेलवे स्टेशन पर मौजूद हरिभूमि टीम।

तंबाकू से होता है कैंसर

तंबाकू का सेवन कैंसर को जन्म देता है। इस बारे में सभी अच्छे से परिचित हैं, फिर भी जानबूझकर जानलेवा बीमारियों को गले लगा रहे हैं। जब तक आप लोग खुद इस गंभीर व गलत आदत का परित्याग नहीं करेंगे, तब तक दूसरों को प्रेरित नहीं कर पाएंगे। **अमित, गन्नौर**

मानव जाती जहर से बचे

विश्व तंबाकू निषेद्य दिवस पर हरिभूमि की तरफ से किया गया यह प्रयास बेहद प्रशंसनीय है। हरिभूमि के इस प्रयास में हमें भी सहयोग देना चाहिए, ताकि मानव जाति को इस जहर के सेवन से बचाया जा सके। हम हरिभूमि के इस प्रयास में पूर्ण सहयोग करेंगें। **खुशी, राजलूगढ़ी**

तंबाकू सेवन खतरनाक

तंबाकू का सेवन बेहद खतरनाक है। अगर इस पर जल्द ही अंकुश नहीं लगाया गया तो यह धीरे-धीरे हमारी पीढ़ी को मार देगा। इसलिए अपना जीवन बचाएं, अपना भविष्य सुरक्षित करें। आप सब यह कर सकते हैं, क्योंकि जीवन में कुछ भी करना नामुमकिन नहीं। **मनीषा, चिटाना**

बिना तंबाकू जांदगी मजेदार

मानव जाति का हर वर्ग अगर तंबाकू को छोड़कर जिंदगी को अपना ले तो जिंदगी मजेदार लगने लगेगी। वर्तमान में बुजुर्ग ही नहीं अपति युवा वर्ग व महिलाएं की बड़ी संख्या इसकी गिरफ्त में है। आज यह शपथ लेनी होगी कि हम मिलकर इसके खात्मे के लिए आगे बढ़ेंगे। **बृजेश, राजपुर**

तंबाकू से होता है जीवन खराब

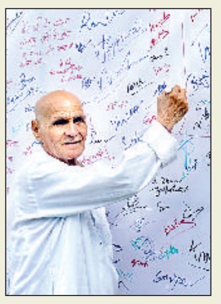
तंबाकू हमारे जीवन के लिए खतरनाक है, यह हमारी जिंदगी को खराब करता है। बावजूद इसके लोग इसको छोड़ने को तैयार नहीं है। तंबाकू का सेवन करने वाला व्यक्ति अपने साथ पूरे परिवार को तबाह करने का काम कर रहा है। **जगत सिंह, चिटाना**

तंबाकू सेहत के लिए हानिकारक

तंबाकू का किसी भी रूप में सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, लेकिन बदलती जीवनशैली के साथ अधिक से अधिक युवा इस सच्चाई को जानने के बाद भी इसके आदी हो रहे हैं। सर्जरी के जरिए कई तरह के कैंसर का इलाज तो हो जाता है, लेकिन ताउम्र उसकी सजा भुगतनी पड़ती है। इसीलिए जरूरी है कि तम्बाकू को छोड़ें और स्वस्थ जीवन शैली अपनाएं। **सिसाना निवासी अर्जुन, पत्नी रजनी, बच्चे कार्तिक और खुशील।**

धूम्रपान से सभी को नुकसान

कई बार ट्रेन में दैनिक यात्री वे धूम्रपान कर रहे लोगों को टोकते हैं तो वो मानते नहीं। इसके बाद रोजाना उन्हें टोकते हैं, इससे वे कम से कम ट्रेन में धूम्रपान नहीं करते। तंबाकू सेवन करने वालों में सबसे ज्यादा खतरनाक धूम्रपान करने वाले होते हैं, क्योंकि इनकी वजह से दूसरे लोग भी जहरीली हवा में सांस लेते हैं। **गुरशीश और पूजा, सोनीपत।**

तंबाकू एक शाप

तंबाकू मानव जाति के लिए एक शाप है और यह मानव जाति के हर वर्ग को अपनी चपेट में लिए हुए हैं। मनुष्य चाहे तो इस शाप से मुक्ति पा सकता है, लेकिन इसके लिए उसे दृढ संकल्प करना होगा, जल्द प्रयत्न नहीं किए तो यह धीरे-धीरे पूरी मानव जाति को निगल लेगा।

निशिका, चिटाना

जानलेवा है तम्बाकूः मदान

तंबाकू का सेवन अनेकों जानलेवा बीमारियों का कारक है। तंबाकू से लगभग 25 तरह की शारीरिक बीमारियां और लगभग 40 तरह के कैंसर हो सकते हैं। तंबाकू व धूम्रपान से हो रहे विभिन्न प्रकार के कैंसरों में विश्व में मुख का कैंसर सबसे ज्यादा होता है। तम्बाकू जानलेवा है। हम लोग इसे जानते भी हैं, लेकिन मानते नहीं है। तम्बाकू के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए हरिभूमि हर वर्ष प्रयास करता है, जोकि सराहनीय कार्य है। अभियान के तहत शपथ लेते हुए हस्ताक्षर करने वाले 10 प्रतिशत भी लोग अपने काम को पूरा करें तो समाज को नई दिशा दी जा सकती है। हरिभूमि की टीम को सफल आयोजन के लिए बधाई। **निखिल मदान, विधायक, सोनीपत**

तंबाकू छोड़ना आसान नहीं

तंबाकू छोड़ना आसान है लेकिन पीछे नहीं हटना चुनौती है। स्वस्थ आदतों और नियमित जांच के लिए लोगों को जागरूक होना चाहिए। अगर किसी को 3 सप्ताह से अधिक समय तक मुंह में लाल या सफेद पैच या अल्सर की शिकायत हो तो उन्हें तत्काल डॉक्टर को दिखाना चाहिए। सामाजिक बुराइयों के खिलाफ समय-समय पर अभियान चलाने वाले हरिभूमि संस्थान का आभार। अविनाश, शुगर मिल, सोनीपत।

धूम्रपान से लोगों ने मौत को गले लगाया

धूम्रपान को जिसने गले लगाया, मौत को उसने अपने पास बुलाया। बस इस बात को पल्ले बांध लेना चाहिये। क्योंकि अगर आप एक परिवार का हिस्सा हो तो धूम्रपान आपको जल्द ही आपके परिवार से अलग कर सकता है। इतना ही नहीं आपके परिवार को भी नुकसान पहुंचा सकता है।
अपने विचार लिखते हुए दिल्ली के रहने वाले मिंटू।

तम्बाकू उत्पाद की कंपनियां हो बंद

अगर सरकार तम्बाकू उत्पाद तैयार करने वाली कंपनियों को बंद कर दें तो तम्बाकू मार्केट में आएगा नहीं। अगर कहीं से ब्लैक होगा तो काफी महंगा होगा, जिससे तम्बाकू उत्पादों की पहुंच समिति हो जाएगी। भारत में तंबाकू सेवन से होने वाली मृत्यु दर सबसे ज्यादा है। **जीआरपी से कृष्ण, सतीश कुमार व आरपीएफ से श्रीनारायण और सुखबीर सिंह।**

तंबाकू सेहत के लिए अत्यंत हानिकारक है। इस बारे में हर वर्ग भली-भांति जानता है, फिर भी न जाने क्यूं इससे परहेज करने से क्यों हिचकिचाते हैं। तंबाकू मानव शरीर को धीरे-धीरे खोखला करता जा रहा है, इसका त्याग किए बिना स्वस्थ्य शरीर की कल्पना करना बेहद मुश्किल है। तंबाकू की लत बेहद खतरनाक होती है, लेकिन किसी न किसी स्टेज पर जाकर इसे छोड़ना ही पड़ता है। समय रहते इसका त्याग कर दिया जाए तो आने वाला जीवन सुखमय हो सकता है।

मौत का पैगाम होता है तंबाकू : डॉ. यादव

तंबाकू का अंजाम, मौत का पैगाम होता है। जो धीरे-धीरे व्यक्ति को अपनी आगोश में लेती है। तंबाकू का सेवन शारीरिक, बौद्धिक क्षति के साथ ही आर्थिक हानि भी पहुंचाने का काम करता है। जो व्यक्ति तंबाकू का सेवन करता है। वह अपने साथ अपने परिवार को भी गर्त में ले जाने का काम कर रहा है। वर्तमान समय में बुजुर्गों के साथ युवा वर्ग और अब तो महिलाएं भी इसका सेवन करने से पीछे नहीं रह रही। जिससे उसमें बांझपन जैसी गंभीर बीमारी पनप रही है।
डॉ. तरुण यादव, नागरिक अस्पताल, सोनीपत।

जिंदगी जीने का नाम, क्यों मौत का रूप देने पर आतुर : जैन

तंबाकू के कारण 45 लाख लोग प्रतिवर्ष हृदय रोग से पीड़ित होते हैं और 40 लाख लोग प्रतिवर्ष फेफड़े से संबंधित बीमारियों से ग्रस्त होते हैं। इसके बावजूद भी लोग इसके सेवन से परहेज नहीं कर रहे। तंबाकू व्यक्ति का जीवन ही नहीं उसके परिवार को भी खा रहा है, लेकिन लोग इसका त्याग नहीं कर पा रहे। जिंदगी जीने का नाम है, तो क्यों इसे मौत का रूप देने पर आतुर हैं। जानते हुए कि तम्बाकू आपकी जिंदगी के जरूरी पल को कम करता है, इसके बावजूद इसका सेवन करना गलत है। इस तरह के अभियान से हरिभूमि की लोगों को जागरूक करना एक सराहनीय पहल है। यह गंभीर विषय है। इसके खिलाफ एकजुटता दिखानी होगी। **राजीव जैन, मेयर, नगर निगम सोनीपत**

तंबाकू की कोई भी आदत ठीक नहीं

धूम्रपान हो या तम्बाकू चबाना, कोई भी आदत सेहत के लिये ठीक नहीं है। आज के समय में वैसे ही वातावरण में इतना जहर है, इसके बावजूद अगर आप धूम्रपान करते हैं तो खुद ही मौत को न्यौता देते हैं। खुद के लिये ये आदत छोड़ें। हरिभूमि की पहल सराहनीय है, इस तरह के सामाजिक सोद्देश्य के साथ अभियान चलाना समाज के लिये अच्छा है। लोगों को भी समझना चाहिये कि तम्बाकू किस हद तक नुकसानदायक है। जब लोग ये समझेंगे, तब ही तम्बाकू का सेवन करना छोड़ेंगे।
लर्निंग यार्ड स्कूल की तरफ से आए विकास भारद्वाज

तम्बाकू को किसी भी रूप में इस्तेमाल न करें, कहें अलविदा

तम्बाकू आप किसी भी रूप में इस्तेमाल करें, ये जानलेवा ही है। अगर आप धूम्रपान करते हैं तो ये आपके आसपास मौजूद लोगों के लिये भी नुकसानदायक है। जिंदगी में स्वस्थ आदतें चुननी चाहिये और इस तरह की जानलेवा आदत को जल्द से जल्द अलविदा कहना चाहिये। तम्बाकू का सेवन करना एक ऐसी लत है, जोकि बड़ी बीमारी का रूप कब ले लेती आपको पता ही नहीं चलता। पहले आप मजे में इसका सेवन करते है, लेकिन जल्द ही ये मजा, आपके शरीर के लिये सजा बन जाता है। इसीलिये इस जानलेवा आदत को आज ही छोड़ें।
जैन विद्या मंदिर से आया शिक्षकों का दल

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

हर साल 80 लाख लोगों की जान ले रहा है तंबाकू : दांगी

गोहाना। शनिवार को गांव सिरसाढ में विश्व धूम्रपान निषेध दिवस मनाया गया। कार्यक्रम आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के तत्वावधान में आयोजित हुआ जिसमें ग्रामीणों को धूम्रपान न करने शपथ दिलाई गई। मुख्य वक्ता मोर्चा के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने कहा कि तंबाकू का सेवन सेहत के लिए धीमा जहर है। धूम्रपान करने वाले व्यक्ति की जिंदगी को यह धीरे-धीरे निगल जाता है। तम्बाकू हर साल देश में करीब 80 लाख लोगों की जान ले लेता है।

एनसीसी कैडेट्स ने मनाया विश्व तंबाकू निषेध दिवस

सोनीपत। हिन्दू गर्ल्स कॉलेज, सोनीपत की एनसीसी कैडेट्स ने विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर समुदाय में तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु विशेष अभियान चलाया। कैडेट्स ने जागरूकता पोस्टर्स बनाए, वीडियो संदेश तैयार किए तथा तंबाकू के सेवन से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी खतरों के प्रति लोगों को सजग किया। यह पूरा आयोजन 12 हरियाणा बटालियन एनसीसी सोनीपत के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल अनुज रावत की निर्देशानुसार संपन्न हुआ। इस मौके पर कॉलेज की प्राचार्या डॉ. विपाशा, कॉलेज की एनसीसी अधिकारी कैप्टन नीतू नशेर ने छात्राओं को हौसला बढ़ाया।

South Point
GROUP OF INSTITUTIONS, SONIPAT
Run by Mange Ram Educational and Charitable Trust (Regd.)
98120 20033, 98124 21919, 90344 72910
Direct Admission
SOUTH POINT INSTITUTE OF TECHNOLOGY & MANAGEMENT
B.Tech / LEET (CSE, ECE, MECHANICAL, CIVIL)
M.Tech (CSE, ECE) ● M.Tech Part Time (ECE / CSE)
SOUTH POINT SCHOOL OF POLYTECHNIC
Diploma / LEET (CSE, ECE, ELECTRICAL, MECHANICAL, CIVIL, MLT)
SOUTH POINT SCHOOL OF COMPUTER APPLICATION & MANAGEMENT
BBA, BCA, MBA, MCA
SOUTH POINT COLLEGE OF LAW B.A. LL.B (Hons.), L.L.B. (Hons.), LLM (Hons.)
SOUTH POINT DEGREE COLLEGE
B.A., B.Sc. (Medical/Non-Medical), B.Com, M.Com, PGD (Yoga)
M.Sc. (Physics, Chemistry, Maths) ● M.A. (English, Hindi, History, Pol. Science)
SOUTH POINT P.G. COLLEGE OF EDUCATION
B.Ed., M.Ed., JBT / D.Ed., B.P.Ed.
MANGE RAM WOMEN'S COLLEGE OF EDUCATION B.Ed.
SOUTH POINT COLLEGE OF PHARMACY
D.Pharm, B.Pharm, B. Pharm / Leet
MANGE RAM COLLEGE OF PHARMACY D.Pharm
SOUTH POINT COLLEGE OF NURSING
B.Sc. (Nursing)
SOUTH POINT WORLD SCHOOL
SOUTH POINT PUBLIC SCHOOL
CBSE Affiliated, Senior Secondary Schools

DILBAG S. KHATRI
Chairman
www.southpoint.net.in

प्रदूषण की भयावह होती वैश्विक समस्या और बढ़ते तापमान से मुक्ति पाने का सबसे कारगर उपाय है कि हम ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को अपनाने की दिशा में कारगर कदम बढ़ाएं। हालांकि इस दिशा में भी कई चुनौतियां हैं, लेकिन सरकारी स्तर पर ठोस पहल और जन सामान्य की भागीदारी से देश-दुनिया को हरा-भरा बना सकते हैं, भविष्य को सुरक्षित बना सकते हैं।

विशेष: विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून

तपते शहरों में ऐसे बढ़ेगा ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर

कवर स्टोरी / अपराजिता

आगामी 5 जून 2025 को जब हम विश्व पर्यावरण दिवस मनाएंगे, तो हमारे देश के कई बड़े शहर तप रहे होंगे। दिल्ली हो या जयपुर, नागपुर हो या हैदराबाद। देश के कई शहर गर्मियों में तपते द्वीपों में बदल चुके हैं। सिर्फ हम अपने देश के शहरों की ही बात क्यों करें? लाहौर, बीजिंग, न्यूयॉर्क, टोक्यो और दुबई की भी आज की तारीख में यही स्थिति है। सवाल है, इन शहरों में फिर से जीवन को चैन और आराम देने वाली ठंडक कैसे मिले? कंक्रीट के हमारे जंगल, ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर में कैसे बदलें?

क्या है ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर: ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर का मतलब है, ऐसे डिजाइन और ऐसी व्यवस्थाएं, जो प्राकृतिक समाधान प्रस्तुत करें। ये पार्क, छतों पर बागवानी, हरित दीवारों, वर्षा जल संरक्षण, शहरी जंगल, जैविक नालियां, ग्रीन कॉरीडोर और स्वच्छ ऊर्जा से जुड़ी सम्मिलित संरचनाओं का नाम है। यह ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर न केवल हमारे पर्यावरण की रक्षा करता है बल्कि लोगों को रोजगार, बेहतर स्वास्थ्य और शहरों को अधिक टिकाऊ बनाता है।

बिगड़ते पर्यावरण की वजहें: आजकल जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण भारत ही नहीं दुनिया भर के ज्यादातर शहर, गर्मी से जल रहे हैं। शहरों में अर्बन हीट, आइलैंड इफेक्ट जोर-शोर से देखा जा रहा है। शहरों में कंक्रीट, डामर और प्लास्टिक की अधिकता, जमीन की नमी सोख रही है, जिससे तापमान बढ़ रहा है। यही नहीं जो शहर पहले छायादार पेड़ों की कतारों के हिस्से हुआ करते थे, अब उन शहरों में बड़े-बड़े पेड़ों को काट कर सड़कों का विस्तार और नए-नए मॉल्स बनाए जा रहे हैं, जिससे हमारे पारंपरिक शहरों का ग्रीन आवरण लगातार घट रहा है। कार्बन उत्सर्जन बढ़ रहा है और जल प्रबंधन की विफलता भी हमारे सामने है। शहरों में अंधाधुंध ढंग से बढ़ रहे वाहन, फैक्ट्रियां और कूलिंग सिस्टम से निकलने वाली गैसें, लगातार हमारे शहरों के तापमान बढ़ा रही हैं। दूसरी तरफ अंधाधुंध रिहाईशी ढांचे खड़े कर देने के कारण बारिश का जल बह कर निकल जाता है। धरती में वापस नहीं जा पाता, जिससे न सिर्फ सूखे बल्कि बाढ़ की समस्या भी इससे बढ़ रही है।

बढ़ रही है ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत: बिगड़ते पर्यावरण की वजह से ही विश्व स्तर पर ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की खासी जरूरत बढ़ी है। आज ज्यादातर नगर योजनाकार बार-बार ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत पर बल देते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि 2050 तक दुनिया की करीब 70 फीसदी आबादी शहरों में रह रही होगी और तब आज से कहीं ज्यादा पर्यावरणीय दबाव होगा। साल 2023 की आईपीसीसी रिपोर्ट कहती है, यदि शहरों में हरित क्षेत्र 30 प्रतिशत बढ़ा दिया जाए तो दुनिया के औसतन तापमान में 2 डिग्री सेंटीग्रेड की कमी आ जाएगी। पेरिस, सियोल, मेलबर्न और कोपनहेगन जैसे शहर अब हर नई परियोजना को ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर में तब्दील कर रहे हैं।

इस दिशा की चुनौतियां: भारत में ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना बड़ी चुनौती है, क्योंकि हमारी स्थानीय शहरी निकायों के पास इस पर स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं हैं। साथ ही हमारे नगर निकायों के पास पर्याप्त वित्तीय संसाधनों की भी कमी है। इसलिए हमारे शहर चाहकर भी ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को फिलहाल नहीं बढ़ा पा रहे हैं, क्योंकि आम लोग इसे अतिरिक्त खर्च वाला समझते हैं। यही कारण है कि अब बड़े पैमाने पर ऐसी योजनाएं और स्मार्ट सिटी मिशन उभर कर सामने आ रहे हैं, जिनमें ग्रीन कॉरीडोर, अर्बन फॉरेस्ट, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग पर जोर दिया जा रहा है। शहरों में कृषि और टेरेस गार्डेनिंग का बढ़ावा भी इसी के चलते हो रहा है। तमाम नए स्टार्टअप यह कर रहे हैं। सीएसआर और ईएसजी की फंडिंग से निजी कंपनियां आजकल हरित परियोजनाओं में निवेश कर रही हैं।

ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने के तरीके: ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने के लिए जरूरी है कि सभी शहरी विकास योजनाओं में ग्रीन बजट को अनिवार्य किया जाए। साथ ही बिल्डिंग बाई लॉज में छत पर गार्डेनिंग, वर्षा जल संग्रहण जैसी अनिवार्य योजनाओं को लागू किया जाए। अब जरूरी हो गया है कि शहरी खेती और कम्युनिटी गार्डेनिंग को अनिवार्य किया जाए। हर मुहल्ले में सामूहिक बागवानी प्रोजेक्ट शुरू किए जाएं, नगर निगम स्थानीय सब्जी उत्पादन को बढ़ावा दें, इसके लिए सब्सिडी और बेहतर ट्रेनिंग का सहारा लिया जाए। शहरी घरों की छतों और दीवारों को ज्यादा से ज्यादा हरा किया जाए। इसकी सबसे पहली शुरुआत सरकारी भवनों, विभिन्न सरकारी इमारतों और शहरी विभागों से किया जाए। निजी फ्लैट और कॉम्प्लेक्स में भी ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए कई तरह के टैक्स में छूट दी जाए ताकि लोग ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की तरफ आकर्षित हों। शहर की हर इमारत में ग्रीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाना अनिवार्य किया जाए, साथ ही बरसाती नालियों को पुनः डिजाइन करके उन्हें जैविक जल निकासी प्रणाली में बदला जाए।

ये उपाय भी होंगे कारगर: बड़े पैमाने पर शहरों का ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर तभी विकसित हो सकता है, जब ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी इसकी ट्रेनिंग, जैसे लैंडस्केपिंग, वर्टिकल गार्डेनिंग जैसी तकनीकों में युवाओं की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी हो। युवाओं को ग्रीन अंबेस्डर बनाकर स्कूल, कॉलेज से ही इस दिशा में उन्हें पर्यावरण हितैषी के रूप में बड़ा किया जाए। शहरों में यदि ग्रीन कैप बढ़ेगा, तो लोग उनके फायदों से भी वाकिफ होंगे और ज्यादा से ज्यादा इसका फायदा उठाना चाहेंगे। इसके लिए जरूरी है कि ग्रीन मैप एप्स के कल्चर को बढ़ावा दिया जाए। ग्रीन कवर एरिया को स्टेटस सिंबल बनाया जाए। इसके लिए एआई और सैटेलाइट तकनीक से इनकी रक्षा और निगरानी भी किया जाना जरूरी है।

ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को अपनाने से न केवल हमारी धरती को फिर से हरी-भरी बनाने में मदद मिलेगी बल्कि नई पीढ़ी को उस दहकती हुई गर्मी से छुटकारा मिलेगा, जो आज शहरी जीवन का बड़ा अभिशाप बन चुका है। इसलिए विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर इस पर गंभीरता से सिर्फ सोचा ही न जाए, सिर्फ बहस ही न हो बल्कि इसमें अमल किए जाने की प्रक्रिया तेजी से बढ़े। *

जो मानसून हर वर्ष जून के पहले सप्ताह में भारत में प्रवेश करता था, इस बार मई के अंतिम सप्ताह से पहले ही आ गया। ऐसा होने के पीछे किस तरह के कारण जिम्मेदार हैं और इसके क्या प्रभाव हो सकते हैं, आप जरूर जानना चाहेंगे।

समय से पहले आया मानसून !

बदलाव / रजनी अरोड़ा

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक इस साल मानसून की रफ्तार इतनी तेज है कि करीब 2 सप्ताह पहले ही देश में एंट्री हो गई है। समय से पहले आए मानसून ने हालांकि जन-मानस को गर्मी की तपिश से राहत पहुंची है, लेकिन पर्याप्त तैयारी के अभाव में कई शहर जल भराव की स्थिति का सामना कर रहे हैं।

परेशानी या वरदान: मानसून का जल्दी आना, सिर्फ मौसम का बदलाव नहीं बल्कि हमारे पर्यावरण और जलवायु में हो रहे बड़े बदलावों का भी संकेत है। विशेषज्ञों के अनुसार यह जलवायु परिवर्तन वैश्विक तापमान और समुद्री परिस्थितियों के मिले-जुले प्रभाव का नतीजा है। समुद्री सतह के तापमान के अनुकूल बदलाव पड़ा है। समुद्र का टेंपरेचर सामान्य से ज्यादा रहा, जिसके कारण मानसूनी पश्चिमी हवाएं तेजी से सक्रिय हो गईं।

चिंता का कारण: मानसून का जल्दी आना हालांकि कृषि, वाणिज्य जैसे क्षेत्रों के लिए अच्छा हो सकता है। लेकिन इसके अनियमित-बिगड़ते पैटर्न से बाढ़,

लैंडस्लाइड, जलजनित बीमारियां, महामारी जैसी समस्याएं उत्पन्न होने का खतरा भी हो सकता है।

जल्दी आने के कारण: देश में मानसून के जल्दी आने को मौसम-वैज्ञानिक ग्लोबल वार्मिंग का असर मान रहे हैं। जिसके प्रति हमें सजग होना और समुचित कदम उठाने जरूरी हैं।

लानीना और अलनीनो का प्रभाव: यह प्रशांत महासागर के तापमान से जुड़ा सिस्टम है। जब प्रशांत महासागर का तापमान ज्यादा गर्म हो जाता है तो उसे अलनीनो कहते हैं, जो भारत के मानसून को कमजोर कर देता है। जब महासागर ठंडा होता है तो वह लानीना कहलाता है, जो मानसून को मजबूत करता है। चूंकि इस साल न ज्यादा गर्मी है और न ज्यादा ठंडक है। यानी ईएनएसओ न्यूट्रल है और यही हालात भारत के मानसून के लिए फायदेमंद है।

इंडियन ओशन डायपोल का पॉजिटिव होना: कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि आईओडी अरब सागर में नमी के जमाव को बढ़ाता है, जिससे मानसून की हवाएं तेज होती हैं और यह मानसून के जल्दी आने का कारण भी बनता है। तो कुछ वैज्ञानिक इसे भारतीय महासागर के पश्चिमी हिस्से यानी अफ्रीका की तरफ और पूर्वी हिस्से यानी इंडोनेशिया की तरफ पानी का तापमान से जोड़ते हैं। वस्तुतः इनके तापमान में फर्क मिलता है। अगर पश्चिमी हिस्सा गर्म होता है और पूर्वी हिस्सा ठंडा तो यह पॉजिटिव आईओडी कहलाता है। यह मानसून के लिए अच्छा होता है यानी बादल बनने, बारिश बढ़ाने में मदद करता है। जबकि इसके विपरीत यानी पश्चिम हिस्सा ठंडा और पूर्वी हिस्सा गर्म हो तो यह नेगेटिव आईओडी कहलाता है और यह मानसून को रोकता है। 2025 में अभी आईओडी भी न्यूट्रल है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगस्त-सितंबर तक यह हल्का पॉजिटिव हो सकता है, जो मानसून को और बढ़ा सकता है।

जेट स्ट्रीम में बदलाव: मानसून की हवाएं यानी ऊपरी स्तर की हवाओं में बदलाव से भूमध्य रेखा के ऊपर से हवाएं तेजी से भारत की ओर चलती हैं, जिससे नमी से भरी हवाएं पहले पहुंचकर मानसून जल्दी ले आती हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि सोमाली जेट हवाएं मॉरीशस और मेडागास्कर से उठती हैं। जो सीधे अरब सागर में होते हुए भारत के पश्चिमी तट यानी केरल, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र तक आती हैं। 2025 में ये हवाएं असामान्य रूप से तेज हैं।

ग्लोबल वार्मिंग से बदला मानसून पैटर्न: ग्लोबल वार्मिंग की वजह से वातावरण और महासागरों का तापमान लगातार बदल रहा है। यह बदलाव मानसून के समय और तीव्रता को सीधे प्रभावित करता है। इसके उसका चक्र बदल जाता है। इसके अलावा बीते मई महीने में अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में भारी नमी देखी गई, जिससे बादलों को बनने में ज्यादा देर नहीं लगी। इसके साथ कर्नाटक-गोवा तट के पास बने साइक्लोनिक सिस्टम की वजह से मानसून जल्दी आ गया। *

मानसून के प्रकार: भारतीय मानसून उन हवाओं को कहते हैं, जो ग्रीष्म ऋतु में तापमान ज्यादा होने के कारण बंगाल की खाड़ी, हिंद महासागर और अरब सागर में नमी के बढ़ने से सक्रिय हो जाती हैं। ये हवाएं दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पूर्व की ओर चलती हैं और ठंड के दिनों में विपरीत दिशा की ओर यानी समुद्र की ओर बहती हैं। इसके आधार पर भारत में मानसून मूलतया दो तरह के होते हैं। दक्षिण-पश्चिमी मानसून (जून से सितंबर तक) ये मानसूनी हवाएं भारत में सामान्यतया एक जून को सबसे पहले केरल में प्रवेश करती हैं और वहां बारिश करती हैं। इसके बाद यह धीरे-धीरे उत्तर दिशा में बढ़ता है। फिर जून का अंत तक आते-आते यह देश के ज्यादातर हिस्सों पर छा जाती है। उत्तर-पूर्वी मानसून, ऋतु-परिवर्तन होने पर ये हवाएं विपरीत दिशा की ओर यानी समुद्र की ओर बहती हैं। ये हवाएं आमतौर पर सितंबर-अक्टूबर माह तक वापस चली जाती हैं।

चिंतन / यशवंत कोठारी

भारतीयता के मूल में निहित पर्यावरण संरक्षण

भारतीय संस्कृति या कहें भारतीयता में प्रारंभ से ही पर्यावरण को अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। हमारी संस्कृति में वृक्ष, पेड़-पौधों, जड़ी-बूटियों को देवता माना गया है। पवित्र और देवतुल्य वृक्षों की प्राचीन परंपरा भारतीयता के साथ गुंथी हुई है। वास्तव में भारतीयता किसी व्यक्ति विशेष से नहीं प्रकृति, पर्यावरण, सांस्कृतिक चेतना और विरासत से जुड़ी हुई है। तमाम विविधताओं के बावजूद भारतीयता के रक्षकों, पोषकों ने वृक्षों को पूजने की, उन्हें आदर देने की एक ऐसी परंपरा आरंभ की, जो भारतीयता में रच-बस गई है। वृक्षों के महत्व को प्रतिपादित करते हुए हमारी संस्कृति में अनेक परंपराएं और प्रथाएं विकसित की गईं जो वृक्षों, पर्यावरण, संस्कृति, सुहाग, पूजा-पाठ, धार्मिक अनुष्ठान आदि से जोड़ दी गईं। ये सभी चीजें कालांतर में भारतीयता का पोषण करने वाली सिद्ध हुईं।

पेड़-पौधों की करते हैं पूजा: देश के कुछ आदिवासी क्षेत्रों में विवाह के समय वर-वधु एक पौधा लगाते हैं। माना जाता है कि जैसे-जैसे वृक्ष हरा-भरा होकर विकसित होता है, दांपत्य जीवन में भी सुख और संपन्नता बढ़ती जाती है। बड़ के पेड़ को सुहाग प्रदान करने वाला माना गया है। उत्तर भारत में वट वृक्ष की पूजा का त्योहार मनाया जाता हे। पीपल के वृक्ष पर भगवान विष्णु का वास माना जाता है। पलाश के वृक्ष के नीचे शीतला माता का वास माना गया है। इसी प्रकार आंवला, तुलसी, केला आदि कई पौधों की पूजा-अर्चना का विधान भारतीय संस्कृति में मौजूद है। यह भारतीयता का एक मोहक रूप है। पीपल के वृक्ष को रामायण में भी मान्यता दी गई है। तुलसी की पवित्रता, औषधीय उपयोगों और महत्व के बारे में कई प्राचीन पुस्तकों में वर्णन मिलता है।

इससे सिद्ध होता है कि भारतीय संस्कृति में तुलसी के पौधे को कितना महत्वपूर्ण पौधा माना जाता रहा है। भारतीयता की अनेक विविधताओं के बावजूद वृक्षों का संरक्षण, उनकी पूजा-अर्चना का विधान है।

भारतीयता का अरण्य उत्सव: वृक्षों के प्रति हमारी यह श्रद्धा अनादिकाल से चली आ रही है। अरण्ये ते पृथिवि स्येनमस्तु। अर्थात हे पृथ्वीमाता, तुम्हारे जंगल, हमें आनंद, उत्साह से भर दें। यही श्रद्धा और आदर का भाव बार-बार हमें भारतीयता की मूल भावना से भी जोड़ता है। भारतीयता, जो हम सभी के जीवन से जुड़ी हुई है। भारतीयता यानी हरी-भरी वसुंधरा, हरियाली से सजे वनप्रदेश, कामदेव का वसंत, चटकते फूल, श्रंगार से ओत-प्रोत वन, मादक गंधयुक्त समीर, आजादी से उड़ते पक्षी, कोयल की मीठी वाणी, कुंलाचें भरते हिरण, नाचते मोर, झरने, झीलें, कलकल करती नदियां, ये सभी सुंदर पर्यावरण बनाते हैं और बनाते है भारतीयता का एक संपूर्ण फलक। फलक में उपस्थित होते हैं अनेक प्रकार के रंग। प्रकृति का यह उत्सव भारतीयता का मौलिक स्वरूप है। शायद ही विश्व के अन्य किसी भाग या देश की संस्कृति में पर्यावरण को इतना महत्वपूर्ण माना गया है।

हम समझें अपने दायित्व: प्राचीन काल में हुए हमारे ऋषि-मुनियों ने भारतीयता की महक से परिपूर्ण पर्यावरण की कल्पना की थी। यदि किसी वृक्ष को काटना बहुत ही जरूरी हो जाता तो वृक्ष पर रहने वाले पशु-पक्षियों से क्षमा याचना कर मंत्र पढ़ कर सर्वजनहिताय वृक्ष को काटा जाता था। पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने, उसे पूर्ण रूप से प्रकृति के अनुकूल रखने तथा विकास के साथ एक तादात्म्य और सामंजस्य रखने की प्रेरणा भारतीयता देती है। प्राचीन शास्त्र, साहित्य, संस्कृति, कला जो कुछ भी इस भारत भूमि पर विद्यमान रहा वह सब भारतीयता से परिपूर्ण है और यही बात प्रकृति, पर्यावरण तथा वातावरण पर भी लागू होती है। यह बेहद खेद का विषय है कि भौतिकवादी उपभोक्ता संस्कृति ने सभी प्राचीन भारतीय मूल्यों को नष्ट कर दिया है। प्रकृति के संरक्षण की बात कोई नहीं करना चाहता है। लेकिन हम सब कभी न भूलें कि अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए भी पेड़-पौधों को लगाना, उनका संरक्षण करना, जीव-जंतुओं, पेड़-पौधों की रक्षा सब कुछ हमारा नैतिक दायित्व है, भारतीयता का कर्तव्य है। अगर हम इस कर्तव्य को पूरा कर सकें तो एक शस्य श्यामला हरित भूमि हमारे चारों ओर मुस्कुराएगी। *

कविता / अलका सोनी

नदी सबको देती है

नदी सबको देती है
बहुत कुछ...
जल, जंगल, जमीन
मछलियां, सूर्य को
अर्घ्य देने की जगह।
उसी तरह उसने
मुझे भी बहुत कुछ दिया
लेकिन मैंने देर से
देखा और समझा यह सब।
तब आश्चर्य हुआ कि
वो तब भी देती रहती है
जब हम नहीं जानते
उसका देते जाना।
यह सब देख
मन में आने लगती है
बस एक ही बात कि
नदी जो सबको देती है
कुछ न कुछ
बदले में पाती है
उसे नहीं समझे
जाने की
कई वजहें।

लघुकथाएं

मेरे नाम का पेड़

उसने मेरी बात काटते हुए अचानक पूछा, 'यह बताइए, क्या आपने अपने जीवन में कोई पेड़ लगाया है?'

मैंने सिर पर हाथ फेरा, बगलें झांकीं, तभी सन्नाटे को चीरती उसकी आवाज आई, 'आठ मन लकड़ी का बोझ सिर पर उधार लेकर जाओगे ऊपर?'

'तुमने जो इतने सारे पेड़ लगा रखे हैं। एक हमारे नाम का भी लगा दो।' मैंने बचना चाहा। वह मुझे और जलील न करे इसलिए मैंने बात घुमाई, 'अरे याद आया। एक बरगद के पेड़ की पौध तुमने मेरे नाम से खरीदी थी, उसका क्या हुआ?'

वह कुछ आश्चर्य से बोली, 'अब पंद्रह साल बाद तुम्हें उसकी याद आ रही है?'

'आखिर बताओ तो हुआ क्या था?' मैंने जोर देकर पूछा। 'उसकी तो कहानी हो गई थी।' वह बोली।

'हुआ क्या था?' मुझे उत्सुकता हुई।

'वो पापा की नजर उस पौधे पर पड़ी तो पूछ बैठे कि तो तुम ले ही आईं बरगद। चलो, मैं इसे अभी गांव के बाहर मेन रोड पर रोप देता हूं।' उसने कहानी बताई।

'तुमने कहा नहीं कि यह मेरे नाम का पेड़ है, किसी की अमानत है।' मैंने कहा।

'मुगले आजम के सामने मुंह खोलना इतना आसान था क्या? वो तो सीधे चिनवा देते।' वह कंधे उचका कर बोली। थोड़ी देर खामोशी रही फिर उसने धीरे से कहा, 'सच बताऊं, जब भी मैं गांव जाती हूं और इंट्री पर वह बरगद का पेड़ थके-हारे लोगों को अपने साए की आगोश में समेटे दिखता है तो मैं कार रुकवा कर पेड़ देर तक निहारती हूं। किसी ने यात्रियों की सेवा के लिए एक चाय-पान की गुमटी भी डाल ली है। प्रधान जी ने गर्मी में प्यासों के वास्ते एक हैंडपंप भी लगवा दिया है। किसी दिन आप भी मेरे साथ चलिए, आपको पेड़ देखकर बहुत खुशी होगी।'

मैं सोचने लगा कि मरने के बाद बरगद की लकड़ी से जलाया जाता है कि नहीं? *

-प्रेमेंद्र श्रीवास्तव

विज्ञापन

एक व्यक्ति ने अखबार में विज्ञापन छपवाया, 'पांच साल का यह लड़का, जिसकी फोटो दी जा रही है, कल शाम से घर से लापता है। किसी को यह बच्चा दिखाई दे या मिले तो दिए गए फोन नंबर पर सूचित करें। सूचना देने वाले को उचित इनाम दिया जाएगा।'

दूसरे दिन ही उस व्यक्ति के फोन की घंटी बजी। आवाज आई, 'आपने अखबार में बच्चे की गुमशुदगी का विज्ञापन दिया है। उसी के संबंध में बताना चाहता हूं कि आपका बच्चा कल से मेरे पास है, आप तुरंत आकर ले जाएं।' 'आप कौन बोल रहे हैं और कहां से बोल रहे हैं?' व्यक्ति ने जल्दी से पूछा।

'मैं सुखद वृद्धाश्रम से रघुबीर बोल रहा हूं...।' जवाब मिला।

यह सुनकर व्यक्ति की आंखें नम हो गईं। उसने तुरंत अपनी पत्नी से कहा, 'गुड्डू मिल गया है, वह वृद्धाश्रम में अपने दादा जी के पास है।' *

-गोविंद भारद्वाज

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

प्रेम का साहित्यिक प्रवाह

नवोदित प्रवाह पत्रिका का वार्षिकांक प्रेम विशेषांक के रूप में प्रकाशित होकर आया है। यह अंक नामचीन और नवोदित लेखकों की रचनाशीलता से भरा-पूरा है। यहां संकलित रचनाओं के द्वारा प्रेम के मनोवैज्ञानिक विवेचन, उसके दार्शनिक पहलू, उसकी ऐंद्रिक व्याख्या और उसकी आत्मानुभूति के अलग-अलग आयामों से रूबरू हुआ जा सकता है। वैसे तो इस अंक में प्रेम पर अच्छी कहानियां, लघुकथाएं, समीक्षाएं और लेख पठनीय हैं ही, लेकिन खासतौर पर काव्य खंड बहुत ही समृद्ध है। इसमें प्रेमाधारित कई बेहतरीन कविताएं, गजलें, दोहे और गीत पाठक को प्रेमरस से सराबोर कर देते हैं। लाजवाब गीत और गजल खंड के अलावा कविता खंड में आलोक धन्वा, अच्युतानंद मिश्रा, अल्पना सिंह और आरती आस्था की कविताएं मन में ठहर जाती हैं। विभिन्न भारतीय भाषाओं में लिखी गई प्रेम कविताओं के अनुवाद ने इस अंक को संग्रहणीय बना दिया है। कृष्ण बिहारी, जितेन ठाकुर और रेणु हुसैन की कहानियां विशेष रूप से पठनीय हैं तो प्रेम पर अलग-अलग कोणों से लिखे गए लेखों में प्रेम की शाश्वतता को सलीके से व्यक्त किया गया है। *

पत्रिका: नवोदित प्रवाह (वार्षिक पहल 2025-प्रेम विशेष), **प्रधान संपादक:** रजनीश त्रिवेदी 'आलोक', **मूल्य:** 100 रुपए, **संपादकीय कार्यालय:** देहरादून, उत्तराखंड

इन गर्मी की छुट्टियों को बिताने के लिए अगर आप किसी प्राकृतिक, शांत, सुरम्य स्थान पर जाना चाहते हैं, तो माउंट आबू आपके लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन हो सकता है। यहां आपको ऐतिहासिक मंदिर, प्राकृतिक झीलों के साथ-साथ कई मनोरम नजारे देखने को मिलेंगे।

प्राकृतिक सौंदर्य-आध्यात्मिक सुकून का संगम माउंट आबू

सैर-सपाटा / अंशु सिंह

प्राकृतिक सुंदरता और अध्यात्म का अनुपम संगम स्थल है राजस्थान का हिल स्टेशन माउंट आबू। मरुस्थल की वीरानियत में एक शीतल तपोभूमि, जहां बिखरी है अरावली की हरियाली। फैला है, नक्की झील का अप्रतिम सौंदर्य। प्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन, जिसका कण-कण कर लेता है सम्मोहित। गर्मी हो, सर्दी या हो बरसात, माउंट आबू में हर मौसम का है अपना अलग आनंद...।

अरावली के मध्य बसा: अरावली पर्वत श्रंखला के मध्य में बसे माउंट आबू में प्रकृति का जनमानस के साथ कुछ ऐसा सामंजस्य स्थापित है कि 'अद्भुत' के अतिरिक्त अन्य शब्द नहीं सूझता। यहां के वायुमंडल में ही पसरी है सुकून और शांति। मौसम का ताप भी मनोनुकूल नर्म है। रेगिस्तानी राज्य के अन्य हिस्सों की तरह गर्म नहीं है यह स्थान। आखिरकार, प्रदेश का यह एकमात्र हिल स्टेशन जो है। सिरोही जिले में स्थित इस पठारी क्षेत्र को कुदरत ने नदी, झील, झरने सभी की सौगात दे रखी है। यह प्रदेश का सिरमौर है, जिसे भारत ही नहीं, संसार की प्राचीनतम पर्वत श्रंखलाओं में से एक अरावली, उत्तर से दक्षिण दो हिस्सों में विभाजित करती है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने पर्यावरणीय दृष्टिकोण से इसे संवेदनशील क्षेत्र भी घोषित कर रखा है।

भारत की आध्यात्मिक भूमि: माउंट आबू ऐतिहासिक काल से ही अलग-अलग धर्मावलंबियों की कर्मभूमि और तपोभूमि रहा है। आज भी यह स्थान हिंदू और जैन धर्मावलंबियों का पवित्र तीर्थस्थल है। कथानुसार, जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर माउंट आबू आए थे, जिसके बाद से यह जैन अनुयायियों का विशेष तीर्थस्थान बन गया है। माउंट आबू का प्राचीन नाम अर्बुदांचल है। पुराणों में इसका उल्लेख अर्बुदा अरण्य (अर्थात अर्बुदा के वन) के नाम से भी मिलता है। बाद में यही 'अर्बुदा', 'आबू' में परिवर्तित हो गया। ऐसी मान्यता है कि ऋषि वशिष्ठ का जब विश्वामित्र से मतभेद हो गया था, तब वे माउंट आबू के दक्षिणी भाग में आकर बस गए थे। उन्होंने पृथ्वी से असुरों के विनाश के लिए यहां यज्ञ का आयोजन भी किया था। इनके अलावा, आध्यात्मिक संस्थान ब्रह्माकुमारीज का अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय भी यहां स्थित है।

मनमोहक नक्की झील: पहाड़ों की छांव और अरावली की हरियाली के मध्य मचलती अति रमणीय नक्की झील को माउंट आबू का दिल कहा जाता है। 11000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित ढाई किलोमीटर लंबी यह झील कौतुहल पैदा करती है। एक किंवदंती के अनुसार, रसिया बालम नामक शिल्पकार और तत्कालीन राजा की बेटी एक-दूजे से प्रेम करते थे। लेकिन राजा की शर्त थी कि अगर शिल्पकार एक रात में झील की खुदाई कर देता है, तो वह अपनी पुत्री उससे ब्याह देंगे। रसिया ने यह चमत्कार कर दिखाया। हालांकि बाद में राजा ने अपनी बेटी उसे देने से इंकार कर दिया। दूसरी कथा के अनुसार, देवताओं ने बाली राक्षस से रक्षा के लिए अपने नाखूनों से इस झील का निर्माण किया था। इसलिए इसका नाम नक्की झील पड़ा। गरासिया जनजाति के लिए यह पवित्र झील आस्था की प्रतीक है।

बहुत प्रसिद्ध है सनसेट प्वॉइंट: फिल्म 'कयामत से कयामत तक' का एक खूबसूरत संवाद है, 'इस डूबते हुए सूरज ने हमें पहली बार मिलाया था। यही हमें एक दिन हमेशा के लिए मिला देगा।' अभिनेता आमिर खान और जूही चावला के इस संवाद में जिस 'डूबते हुए सूरज' का जिक्र हो रहा, वह यहीं माउंट आबू के सनसेट प्वाइंट पर शूट की गई थी। यहां पास ही में स्थित हनीमून प्वॉइंट नव विवाहितों का पसंदीदा स्थान है। माउंट आबू आने वाले पर्यटकों के लिए सनसेट प्वॉइंट रोमांच से भरपूर एक ऐसा मनोरम स्थल है, जहां से पल-पल रंग बदलते आकाश एवं बादलों की ओट में छिपते-ढलते सूर्य के विस्मयकारी दृश्य को देखा जा सकता है। यहां आने वाले पर्यटक इन नजारों को अपनी यादों के साथ-साथ अपने कैमरे में भी जरूर कैद करते हैं।

विश्व प्रसिद्ध दिलवाड़ा जैन मंदिर: अपनी माउंट आबू यात्रा के दौरान आप दिलवाड़ा जैन मंदिर अवश्य जाएं। 11वीं से 13वीं शताब्दी के दौरान निर्मित दिलवाड़ा जैन मंदिर, जैन वास्तुकला का उत्कृष्ट उदाहरण है। मंदिर का प्रवेशद्वार गुंबद वाले मंडप से होकर गुजरता है। सामने एक वर्गाकार भवन है, जिसमें छह स्तंभ और दस हाथियों की प्रतिमाएं हैं। पांच मंदिरों के इस समूह में विमल शाह द्वारा निर्माण कराया गया मंदिर, सबसे पुराना है, जो जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर को समर्पित है। इसके अलावा, 22वें तीर्थंकर नेमिनाथ को समर्पित लून वासाही मंदिर भी दर्शनीय है। यहां एक अद्भुत देवरानी-जेठानी मंदिर भी है, जिसमें भगवान आदिनाथ एवं शांतिनाथ जी की मूर्तियां स्थापित हैं। संपूर्ण मंदिर एक प्रांगण के अंदर घिरा हुआ है, जिसमें छोटे स्तंभों की दोहरी पंक्तियां हैं। यहां फूल-पत्तियों और अन्य मोहक डिजाइनों से अलंकृत, नक्काशीदार छतें, पशु-पक्षियों की शानदार आकृतियां, सफेद स्तंभों पर बारीकी से उकेरी गई बेलें, जालीदार नक्काशी से सजे तोरण और जैन तीर्थंकरों की प्रतिमाएं हैं।

पीस पार्क में प्रकृति का आनंद: ब्रह्मा कुमारी का पीस पार्क, विविध प्रजातियों के पेड़-पौधों के बीच आपको एक अलग ही जगत में होने का एहसास कराएगा। यहां फूलों के साथ-साथ फलों के भी उद्यान हैं। यहां गुलाब, नीबू, बांस समेत अनेक वृक्ष देखे जा सकते हैं। खूबसूरत रॉक गार्डन एवं अन्य लैंडस्केपिंग को देखना भी कम दिलचस्प नहीं है। पार्क में ध्यान के लिए विशेष कोना भी है। *

कैसे जाएं: माउंट आबू का सबसे निकटतम हवाई अड्डा उदयपुर 185 किलोमीटर, जबकि अहमदाबाद 235 किलोमीटर दूर है। सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन आबू रोड 28 किलोमीटर की दूरी पर है, जो अहमदाबाद, दिल्ली, जयपुर और जोधपुर से जुड़ा है। यह सड़क मार्ग से देश के सभी प्रमुख शहरों से जुड़ा है। दिल्ली के कश्मीरी गेट बस अड्डे से माउंट आबू के लिए सीधी बस सेवा उपलब्ध है। राजस्थान राज्य सड़क परिवहन निगम की बसें दिल्ली के अलावा अन्य शहरों से माउंट आबू के लिए अपनी सेवाएं मुहैया कराती हैं।

कब जाएं: आप गर्मी या सर्दी कभी भी यहां जा सकते हैं। नवंबर से फरवरी के बीच यहां सर्दी का मौसम होता है। काफी पर्यटक आते हैं। इसके अलावा, अप्रैल से जून के बीच भी यहां घूमने जाया जा सकता है। अगर मानसून का मजा लेना है, तो जुलाई से सितंबर के महीने में यहां की योजना बना सकते हैं।

किसी को उबासी लेते देख आपको भी जम्हाई आने लगती है, है ना! वास्तव में कुछ आदतें, हरकतें या प्रतिक्रियाएं ऐसी होती हैं, जो किसी दूसरे को करते देख, ठीक वैसा ही करने के लिए हमारा भी मन मचल उठता है। ऐसा क्यों होता है, जानिए।

इन एक्टीविटीज को देख मन अपना भी मचलता है !

जीवनशैली / शिखर चंद जैन

कई बार अनजाने में दूसरे की किसी एक्टिविटी को देखकर हम भी वैसा करने लगते हैं या वैसा करना चाहते हैं। व्यवहार विशेषज्ञों, समाजशास्त्रियों और हेल्थ एक्सपर्ट्स ने कुछ ऐसी इश्यूज का पता लगाया है। आप भी इनके बारे में जानिए।

फ्रेंड जैसे सामान: 'जर्नल ऑफ न्यूरोसाइंस' में प्रकाशित एक शोध के मुताबिक लोगों को उस चीज की सबसे ज्यादा चाह होने लगती है, जो उनके किसी प्रियजन या मित्र के पास हो। भले ही आपके पास पहले ही एक से एक टी-शर्ट, सलवार सूट या फुटवेयर हों, लेकिन फ्रेंड के पास कोई नया पेयर देखते हैं, तो आपका भी मन मचल उठता है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं, 'हम किसी चीज के स्वामित्व को जब सेल्फ एस्टीम से जोड़कर देखने लगते हैं, तब ऐसी इच्छा जाग्रत हो जाती है।' कई बार हम इन चीजों को प्रेस्टीज इश्यू बना लेते हैं।

बालों पर हाथ फेरना: व्यक्तित्व विकास के विशेषज्ञ ग्लेन विल्सन ने अपनी किताब 'इंट्रोड्यूसिंग बॉडी लैंग्वेज: ए प्रैक्टिकल गाइड' में लिखा है कि दो व्यक्ति जब एक-दूसरे से व्यक्तिगत बातें कर रहे होते हैं, तो उनमें एक-दूसरे को देखकर अपने बालों में हाथ फेरने या अपने बालों से खेलने की इच्छा बलवती हो उठती है। इस स्थिति को मनोवैज्ञानिक 'सिंक्रोनी' या 'पोश्चरल ईको' कहते हैं। इनका कहना है कि हम अपने सोशल बिहेवियर का काफी कुछ अपने नजदीकी लोगों से देखकर सीखते हैं, इसलिए, जाने-अनजाने में हम उनकी बॉडी लैंग्वेज की नकल कर बैठते हैं।

खुजली की तलब: एक अध्ययन के मुताबिक अपने सामने मौजूद किसी व्यक्ति को सिर या कान खुजलाते हुए देखने पर वहां मौजूद दूसरे लोगों को भी ऐसा करने की इच्छा करती है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं, 'हमारे अवचेतन मन में किसी को खुजली करते देख या जम्हाई लेते देख, ऐसा दोहराने की स्वाभाविक प्रवृत्ति होती है।' ऐसा ही किसी को पानी पीते देखकर या टॉयलेट के लिए उठता देखकर किसी सार्वजनिक स्थान (जैसे सिनेमा हॉल, क्लास रूम या स्टेडियम) में होता है।

खुद को बीमार महसूस करना: कभी आपके साथ ऐसा जरूर हुआ होगा कि आपके किसी मित्र ने अपनी बीमारी के कुछ लक्षण आपको बताएं हों और आपने भी वैसा ही महसूस किया हो। रिसर्च बताते हैं कि हम दूसरों से 'डर' बहुत जल्दी पिकअप कर लेते हैं। आपने देखा होगा कि कई बार लोग बिना कारण जाने ही कुछ लोगों को सड़क पर दौड़ते देख, खुद भी दौड़ने लगते हैं। पेनसिलवेनिया विवि के मनोवैज्ञानिक लौरेन नेपोलिटानो कहते हैं, 'आप एक साधारण उदाहरण से इसे समझ सकते हैं। किसी संगीत समारोह में बेहद तेज संगीत को जब आप दूसरों को एंज्वॉय करते देखते हैं, तो खुद भी इसे एंज्वॉय करने लायक समझते हैं लेकिन पांच-दस लोग इसके 'लाउड' होने की शिकायत करते हुए कान पर हाथ धरते दिख जाते हैं तो आप भी अपने कान ढंक लेते हैं।

तनाव महसूस करना: 'सोशल न्यूरोसाइंस' जर्नल में प्रकाशित एक रिसर्च के मुताबिक सहकर्मी का तनाव देखकर अगल-बगल मौजूद दूसरे लोगों में भी स्ट्रेस हार्मोन रिलीज होने लगता है। दूसरे को टेंशन या तकलीफ में देखकर दुखी या तनावग्रस्त होना मानवीय प्रवृत्ति है। ठीक ऐसा ही क्रोध के मामले में भी होता है। दूसरे का क्रोध देखकर हम भी उत्तेजित हो जाते हैं और क्रोध भरे स्वर में बात करने लगते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिन-मेडिकल की शोधकर्ता एलिजाबेथ क्रुसमार्क के अनुसार, 'भावनात्मक संक्रामकता शरीर में घटित होने वाले केमिकल सिग्नल्स की वजह से उत्पन्न होती है। यही वजह है कि किसी को तनाव, क्रोध या बेचैनी में देखकर हम भी वैसा ही महसूस करने लगते हैं।'

कम या ज्यादा भोजन करना: कई अध्ययनों में पाया जा चुका है कि किसी रेस्तरां या पार्टी में आप अगर ज्यादा भोजन करने वाले लोगों के साथ हैं, तो आप भी ज्यादा मात्रा में भोजन कर लेते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में 12,000 से ज्यादा लोगों पर किए अध्ययन में पाया गया कि किसी समूह का एक व्यक्ति 'मोटा' हो जाए तो उसके नजदीकी लोगों में मोटापे की संभावना 57 फीसदी बढ़ जाती है। ठीक ऐसा ही सेहत के प्रति जागरूक और संयमित खान-पान करने वालों के साथ रहने से होता है। *

हंसना या मुस्कुराना

किसी सामूहिक कार्यक्रम के दौरान दूसरों को ठहाके मार कर देखना या एक व्यक्ति को मुस्कुराते हुए देखना स्वतः ही दूसरे लोगों को भी ठहाके मारने या मुस्कुराने के लिए प्रेरित कर देता है। खुशी या सकारात्मक प्रतिक्रिया भी उसी तरह दूसरों को प्रेरित करती है जैसे नेगेटिव एक्टिविटी करती है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं हर क्रिया की प्रतिक्रिया इंसानी स्वभाव है। अगर कोई व्यक्ति आपको देखकर अच्छी टिप्पणी करता है, खुश होता है या मुस्कुराता है, तो आप खुद-ब-खुद ऐसा करने लग जाते हैं।

अनेक अध्ययनों से साबित हुआ है कि हमारी लापरवाही से प्रदूषित हो रहे वातावरण से अनेक बीमारियां पनप रही हैं। हम अपने पर्यावरण को प्रदूषणमुक्त बनाकर, सही जीवनशैली अपनाकर ही स्वस्थ रह सकते हैं। इसके लिए प्रयास हमें ही करने होंगे।

पर्यावरण बनाएं प्रदूषणमुक्त आप रहेंगे स्वस्थ-ऊर्जावान

दायित्व / डॉ. राकेश 'चक्र'

वर्षों से अनेक वैज्ञानिक अध्ययन इस बात को इंगित कर रहे हैं कि हम इंसान ही अपने पर्यावरण को प्रदूषित करते जा रहे हैं। यह जानते हुए भी कि यह प्रवृत्ति हमें विनाश की ओर ले जा सकती है, प्रकृति और पर्यावरण के विरुद्ध गैर जिम्मेदाराना कार्यशैली अपनाकर उसे प्रदूषित करते ही जा रहे हैं।

हमारी लापरवाही है जिम्मेदार: यह बहुत चिंता का विषय है कि हम अपनी रोजमर्रा की कार्यशैली से पर्यावरण को प्रदूषित करते जा रहे हैं। हमने प्रकृति के पंच तत्वों-अग्नि, वायु, आकाश, पृथ्वी और जल को प्रदूषित करके भारी नुकसान पहुंचाया है और निरंतर पहुंचाते ही जा रहे हैं। हालात यह हो चुके हैं कि पानी को आरओ से शुद्ध करके पीना पड़ रहा है या फिर फिल्टर्ड पानी की बोतल खरीदनी पड़ रही है। कैंसर के रोगियों में निरंतर वृद्धि हो ही रही है। पैदल चलना अब शान-शौकत के विरुद्ध माना जाता है। पचास-सौ मीटर के लिए भी वाहन का प्रयोग किया जाता है। इसी सुविधाभोगिता के चलते रोग और रोगियों का ग्राफ बढ़ रहा है।

हालात हो जाएंगे गंभीर: अगर हालात यही रहे, तब निकट भविष्य में हमें श्वास लेने के लिए हमेशा मास्क पहन कर चलना पड़ेगा। कदाचित अब जल्दी ही ऐसा भयावह समय आने वाला है कि हमें ऑक्सीजन का सिलेंडर साथ में लेकर चलना पड़ेगा, तब कहीं हम श्वास लेकर जीवित रहने के लिए संघर्ष कर पाएंगे। ऐसे में हमें चिंतन-मनन करना ही होगा कि हम किस दिशा और दशा की ओर बढ़ रहे हैं? इसमें सुधार के लिए पर्यावरण को स्वच्छ करने की शुरुआत हमें स्वयं से ही करनी होगी। यह तभी हो सकता है, जब हम अपने मन से पूरी तरह संकल्पित हो जाएं।

ऐसे करें खुद से शुरुआत: आने वाली भयावह स्थितियों से बचने के लिए सबसे पहले तो हम अपनी दिनचर्या में ही आमूल-चूल परिवर्तन करें। आहार-विहार को प्रकृति के अनुकूल ढालें। सुविधाभोगिता की वस्तुओं का प्रयोग उतना ही करें, जितना अतिआवश्यक हो। अपने आस-पास तुलसी, मनीप्लांट, स्नेकप्लांट, नीम, पीपल आदि के पौधे अधिक से अधिक रोपें और देखभाल करें। सुविधाभोगिता में कटौती करके ही बिजली की बचत की जा सकती है। 'एसी संस्कृति' भयावह प्रदूषण की ओर ले जा रही है। हम न भूलें एसी में प्रयुक्त होने वाली गैस वातावरण को प्रदूषित करती है। इसलिए जहां तक संभव हो एसी का प्रयोग न करें या बहुत सीमित मात्रा में करें।

स्वच्छता का रखें ध्यान: अपने घर के आस-पास सड़क और पार्क की स्वच्छता का भी ध्यान रखें। घर की रसोई से निकलने वाले सब्जियों और फलों के छिलके, चाय पत्ती आदि का खाद बनाएं, वह आसानी से बन जाता है। इसका तरीका यही है कि छिलके आदि को खाली गमले, प्लास्टिक के कट्टे या अनुउपयोगी बाल्टी, डब्बे आदि में भरते जाएं। जब वह आधा भर जाए तो उसमें ऊपर से मिट्टी भर दें। दो चार दिन थोड़ा-थोड़ा पानी डाल दें, मिट्टी के ऊपर कोई भी पौधा रोप दें। पौधा बढ़ता रहेगा और कचरा खाद में परिवर्तित होकर उपयोगी मिट्टी बनता रहेगा।

यथासंभव रोकें प्रदूषण: जरूरी नहीं कि कहीं भी जाने के लिए स्कूटर, बाइक या कार ही निकालें। आस-पास एक डेढ़ किलोमीटर की दूरी दस-पंद्रह मिनट पैदल चलकर तय कर सकते हैं। कुछ अधिक दूरी को साइकिल से भी पूरा कर सकते हैं। इससे हम स्वस्थ भी रहेंगे।

जीवनशैली में करें सुधार: कूड़ा-करकट यथास्थान पर ही एकत्र करें, इधर-उधर न फेंकें। धूम्रपान, गुटखा और मद्यपान आदि से बचें। ये सिर्फ वातावरण को ही नहीं हमारे शरीर के तंत्र को भी प्रदूषित कर देते हैं। *

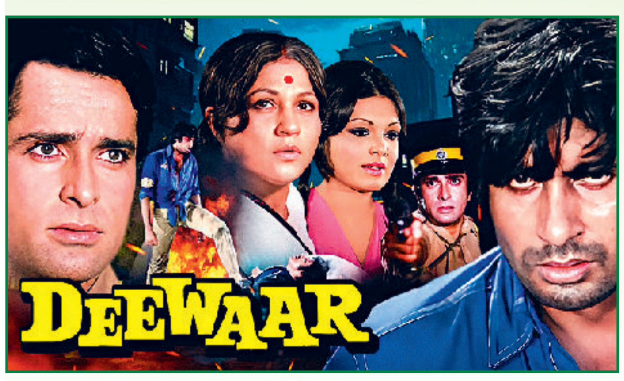

साल 1975 देश के लिए सामाजिक-राजनीतिक दृष्टि से उथल-पुथल भरा रहा। हिंदी सिनेमा के लिहाज से भी वह वर्ष अभूतपूर्व रहा। उस वर्ष आई उन तीन फिल्मों 'दीवार', 'शोले' और 'जय संतोषी मां' से जुड़ी कुछ रोचक बातों पर एक नजर, जिसने सफलता और कमाई के झंडे तो गाड़े ही, हिंदी सिनेमा को नई दिशा भी दी।

तीन ब्लॉक बस्टर फिल्मों के 50 साल शोले-दीवार-जय संतोषी मां

बड़ा पर्दा / मनोज प्रकाश

अब से पचास साल पहले यानी वर्ष 1975 में सिल्वर स्क्रीन पर तीन ऐसी हिंदी फिल्में रिलीज हुईं, जिसने कमाई और कामयाबी के नए कीर्तिमान स्थापित किए। आपातकाल का वह वर्ष देशवासियों की चेतना में, उनके जीवन में कई तरह के बदलाव लेकर आया। वहीं उस साल रिलीज हुई तीन सुपरहिट फिल्मों ने हिंदी सिने प्रेमियों को मनोरंजन और भक्ति का बेहतरीन तोहफा दिया। वह साल हिंदी फिल्म जगत के लिए मील के पत्थर की तरह रहा। उस साल बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने वाली तीन फिल्में थीं- 'दीवार', 'शोले' और 'जय संतोषी मां'। 2025 इन तीनों ही फल्मों की रिलीज का स्वर्ण जयंती वर्ष है।

दीवार लिखी सफलता की नई इबारत

वर्ष 1975 में 24 जनवरी को फिल्म 'दीवार' रिलीज हुई। यह उस दौर में एक नई तरह की फिल्म थी। फिल्म का कथानक सामाजिक मुद्दों को उठाते हुए कुछ इस तरह से रचा गया था कि इसने गरीबी, अन्याय, भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को विस्फोटक रूप से पेश किया। फिल्म में दो भाइयों के बीच खड़ी 'दीवार' ने दर्शकों को अपनी तरफ खूब खींचा। इसमें अमिताभ की 'एंग्री यंग मैन' इमेज के दर्शक कायल हो गए। सही अर्थों में इस फिल्म को न्यायप्रिय समाज का प्रतिबिंब कहा जा सकता है। 'दीवार' के डायलॉग्स आज भी सिने-प्रेमियों के बीच लोकप्रिय हैं। 'मैं आज भी फेंके हुए पैसे नहीं उठाता', 'जाओ पहले उस आदमी के साइन लेकर आओ..' जैसे डायलॉग्स सुनते ही सिनेमाघरों में दर्शकों की सीटियां और तालियां गूंजने लगती थीं। अन्याय के खिलाफ लड़ने वाले नायक के रूप में अमिताभ बच्चन को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। इसी फिल्म में शशि कपूर का डायलॉग 'मेरे पास मां है' दर्शकों को इमोशनल कर जाता है।

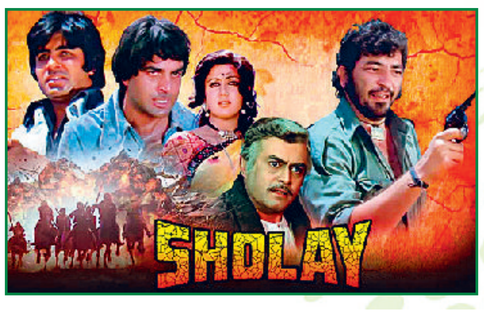

शोले तोड़े कामयाबी के रिकॉर्ड

15 अगस्त 1975 को रिलीज हुई 'शोले' को हिंदी फिल्म इतिहास के अब तक की सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक के रूप में गिना जाता है। जब यह फिल्म रिलीज हुई तो इसके सफल होने पर ही लोग शक कर रहे थे। लेकिन इस फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। फिल्म ने सफलता के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। इस फिल्म ने सौ सिनेमाघरों में अपनी रिलीज की सिल्वर जुबली और पचास से अधिक में गोल्डेन जुबली का रिकॉर्ड कायम किया। फिल्म निर्माण जगत में यह क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली फिल्म मानी जाती है। फिल्म का वह दृश्य जिसमें जय (अमिताभ) वीरू (धर्मेंद्र) को कारतूस लाने के लिए कहता है, उसमें सिक्के का एक ही पहलू अभी तक दर्शकों को रोमांचित कर देता है। जहां कहीं दोस्ती निभाने की बात आती है, वहां जय-वीरू और 'शोले' का सिक्का दर्शक नहीं भूलते हैं। जय का बसंती (हेमा मालिनी) से पूछना, 'तुम्हारा नाम क्या है बसंती?' वीरू का टंकी वाला सीन और 'सुसाइड' वाला डायलॉग। गब्बर (अमजद खान) के डायलॉग्स, 'कितने आदमी थे?', 'तेरा क्या होगा कालिया?', बसंती (हेमा मालिनी) का डायलॉग, 'चल धन्नो, आज तेरी बसंती की इज्जत का सवाल है', ठाकुर (संजीव कुमार) पर फिल्माए गए दृश्य और संवाद। राधा (जया बच्चन) का चुलबुलापन और मौन। 'अंग्रेजों के जमाने के जेलर' (असरानी) और सूरमा भोपाली (जगदीप) के कॉमेडी सींस। फिल्म का एक-एक दृश्य, एक-एक पात्र, एक-एक डायलॉग, एक-एक गीत आज भी सिने प्रेमियों के जेहन में जीवंत है।

जय संतोषी मां जलाई भक्ति की अलख

'दीवार' और 'शोले' ने जहां हिंसा और बदले की भावना को प्रतिबिंबित किया, वहीं 'जय संतोषी मां' ने आस्था, भक्ति और विश्वास की जीत दिखाकर ब्लॉक बस्टर का तमगा हासिल किया। यह फिल्म 'शोले' के साथ ही यानी 15 अगस्त 1975 को रिलीज हुई थी। सामूहिक परिवार की कहानी में भाइयों की आपसी खींचतान के साथ इस फिल्म ने धर्म तथा आस्था का बेजोड़ संगम प्रस्तुत किया। आस्था, विनम्र भक्ति में रची-बसी 'जय संतोषी मां' ने भक्ति फिल्मों के एक ऐसे युग की शुरुआत की, जिसको पचास साल बाद भी भारतीय फिल्म उद्योग और समाज मानक मानकर चलता है। फिल्म में भजन और आरती के समय दर्शक एक साथ खड़े हो जाया करते थे। फिल्म समीक्षक इस बात को प्रमुखता से इंगित करते हैं कि फिल्म की रिलीज के बाद समाज में संतोषी माता के प्रति आस्था में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। फिल्म के भजन और आरती- 'मैं तो आरती उतारूं रे', 'यहां-वहां, जहां-तहां, मत पूछों कहां-कहां', 'करती हूं तुम्हारे व्रत मैं', 'मदद करो संतोषी माता' भक्ति संगीत में मील के पत्थर बन चुके हैं। आज भी इस फिल्म के गीत घरों और मंदिरों में भक्तिभाव से गाए, बजाए और सुने जाते हैं। *